

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24] नई दिल्ली, शनिवार, जून 14, 1986 (ज्येष्ठ 24, 1908)
No. 24] NEW DELHI SATURDAY, JUNE 14, 1986 (JYAISTHA 24, 1908)

इस भाग में भिन्न 745 पंक्तियों वाली है जिससे कि यह अधिसूचनाएं अलग से जारी की जा सकें।

(Separate part is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1986

सं० पी० /1561-प्रशा०-III--दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान में 3 वर्ष की अवधि के लिए रु० 1000-1850/- के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति पर सहायक सतर्कता अधिकारी के पद पर नियुक्ति के लिए चुने जाने के फलस्वरूप संघ लोक सेवा आयोग के नियमित अनुभाग अधिकारी और इस समय तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे श्री कृष्ण लाल-II को भेजाएं, 30 अप्रैल, 1986 के अप-रात्रि में दिल्ली विद्युत प्रदाय संस्थान के सुपुर्द की जाते हैं और उन्हें यह अनुदेश दिया जाता है कि वे इसके पश्चात् तुरन्त ओ.ए०. जे०.एस०. माहनों, प्रशासनिक अधिकारी (आमान्य), दि०वि०प्र० सं०, शक्ति सदन, शक्ति मार्ग, नई दिल्ली को रिपोर्ट करें।

एम०.पी० जैन

अवर सचिव (का० प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1986

सं० 2/10/86 प्रशा०-कुमारी सुषमा चौधरी, भारतीय प्रशासनिक सेवा (जे० एण्ड के० : 1969), जो इस आयोग में प्रतिनियुक्ति पर निदेशक थीं, को एतद्-द्वारा 8 मई, 1986 (आरात्रि) में इस आयोग के कार्यभार से मुक्त किया जाता है और इसी समय से उनकी सेवाएँ राज्य सरकार जम्मू और कश्मीर को सौंपी जाती हैं।

मनोहर लाल

अवर सचिव (प्रशासन)

कामिक एवं प्रशिक्षण प्रशासन सुधार

लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कामिक एवं प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला,

नई दिल्ली, दिनांक 22 मई 1986

सं० 1-27/81 सी० एफ० एम० एन०/4254--केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की अधिसूचना संख्या 1-27/81-सी० एफ०

एस० एल०, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के दिनांक 16-10-1985 के क्रम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डा० एस० के० लहरी (झूठ अभिजापक) को केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रेड II) (झूठ अभिजापक) के रूप में तदर्थ आधार पर 6 माह के लिये 1-4-1986 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिये तब तक नियुक्त करते हैं एवं तब तक कि इस पद को स्थाई रूप से नहीं भर लिया जाता।

डी० पी० भटना
प्रशासकीय अधिकारी (इ०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

गृह मंत्रालय
के० रि० पु० बल
महानिदेशालय
नई दिल्ली, दिनांक 17 मई 1986
संशोधन

सं० डी० 1-2/81 स्थापना-एक--इस महानिदेशालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना नं० डी 1-2/81-स्था०-दिनांक 8-4-86 में उल्लिखित शब्द 'बोधरी कम्पाइलेशन के केन्द्रीय सेवा नियमावली खण्ड-एक के तहत अनुच्छेद 67" हटा दिया गया है।

दिनांक 22 मई 1986

सं० ओ० दो० 2204/86 स्थापना-1--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर सतीश कुमार मिनहा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ब्रिग्टी आफि० ग्रेड II (डी० एम० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 6 मई 1986 पूर्वाह्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० अशोक राज
सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1986

सं० ई-16013(2)/14/82 क्रमिक-1--अपने मूल राज्य काठर को प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप श्री ए० के० सिंह, भा० पु० से० (उत्तर प्रदेश : 71) ने 9 मई, 1986 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, बी० टी० पी० एम०, बरधपुर, नई दिल्ली के कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ह० (अपठनीय)

महानिदेशक/ के० श्री० सु० ब०

श्रम एवं पुनर्वास मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम ब्यूरो)

शिमला-171004, दिनांक 4 जून 1986

संख्या 5/1/86सी. पी. आर्द.--अप्रैल, 1986 में औद्योगिक श्रमिकों का अधिकृत भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

(आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1986 के स्तर 643 से पाँच अंक बढ़कर 643 (छः सौ तितालीस) रहा। अप्रैल, 1986 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 782 (सात सौ बयासी) आता है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा

निदेशक

वित्त मंत्रालय
(आर्थिक कार्य विभाग)

अलार्थ पत्र मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 13 मई 1986

सं० ड० ए० मा०-1-10/40 32--महाप्रबंधक, चलाय पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड नियंत्रण विभाग के निम्न निरीक्षकों को उपा नियंत्रण अधिकारी के पद पर (वर्ग "ख" राजपत्रित) रु० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो०-40-1200/- की वेतन श्रेणी में नियमित आधार पर दिनांक 15-4-1986 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश निकलने तक नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री एन० के० प्रसाद
- (2) श्री एम० ब्ही० प्रदक्षिणे
- (3) श्री एम० रामचंद्रन
- (4) श्री पी० एम० एन० दास
- (5) श्री आर० एन० सिंग

वे दो वर्ष के अवधि के लिए परीक्षाधीन होंगे।

सु० द० इक्ष्वाकुजी
महाप्रबंधक

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद दिनांक 19 मई 1986

सं० 7(60)/1424--इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 7(60)8277 दिनांक 15-1-86 के तारतम्य में श्री ब्ही० एम० परदेशी रु० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द०-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति को 10-4-86 तक की अवधि तक बढ़ाया जाता है।

उन्हें उसी वेतनमान और पद पर 13-4-86 से 31-5-86 तक की अवधि के लिए अथवा जब तक यह पद नियमित आधार पर नहीं भरा जाता, इतने से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर और नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 21 मई 1986

सं० सी 1/1511--श्री जगदीश प्रसाद, नियंत्रण निरीक्षक को श्री ब्ही० एम० परदेशी की छुट्टी रिक्ति में दिनांक 3-3-86 से 7-4-86 तक रु० 650-30-740-35-810-द०-35-880-40-1000-द०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ आधार पर सहायक मुख्य नियंत्रण अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

श० रा० पाठक
महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
महालेखाकार लेखापरीक्षा I का कार्यालय आंध्र प्रदेश
हैदराबाद, दिनांक 20 मई 1986

सं० प्रशा० 1/8-132/86-87/5636--महालेखाकार (लेखा परीक्षा) आंध्र प्रदेश हैदराबाद ने सर्व निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों का स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारियों के रूप में 840-40-1000-द० अ० 40-1200 रु० के वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिये गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० शा० सं० एक/7/1/80 स्थापना पी०टी०-1 दिनांक 26-9-81 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अंदर दें।

नाम	पद ग्रहण की तारीख
1. श्री एम० एम० केशवराव	15-5-1986 पू०
2. श्री के० एन० नरहरीराव	13-5-1986 अप०

(ह० अपठनीय)

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1986

सं० ए 32013(6)/85 प्रशासन 3--राष्ट्रपति, श्री जे० के० रडेया को 21 अप्रैल 1986 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र, हैदराबाद में उपनिदेशक (डिजायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मई 1986

सं० ए-12025(1)/3/83 प्रशासन 3--राष्ट्रपति, श्री रामाय्यादव को 21 अप्रैल 1986 से आगामी आदेशों तक के लिए भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान सेलम में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

इन्दिरा मानसिंह

संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

इस्पात एवं खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता दिनांक 14 मई 1986

सं० 2770 बी/ए 19011 (1 बी० आर० के० टी०)/85-19ए--राष्ट्रपति जी, श्री टी० बाबू रवीन्द्र कुमार को

भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 27-2-86 के पूर्वाह्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2784 बी/ए 19011 (1 बी० सी०)/85-19ए--राष्ट्रपति जी, श्री विप्लव चटर्जी को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 700-40-900 द० रो० 40-1100-50-1300 रु० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 20-2-85 के पूर्वाह्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 19 मई 1986

सं० 2906/ए-19012 (3 आर० पी० एस०) 85-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० राम प्रकाश जर्मा को सहायक रसायन के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 12-3-1986 के पूर्वाह्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2917 बी/ए-19012 (5 जी० आर० एम० आर०) 85-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोरमैन (वरिष्ठ) श्री जी० आर० एम० राव को सहायक यांत्रिक अभियंता के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 27 मार्च, 1986 के पूर्वाह्ल से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2928 बी/ए-19012 (3 आर० ए०)/85-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, श्री रफी अहमद को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रु० के न्यूनतम वेतनमान में अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 13-3-1986 के पूर्वाह्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2876बी/ए-19012 (3 बी० पी० के०)/83-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सहायक रसायनज्ञ कुमारी बी० पी० कानफाडे को 30-1-86 (अपराह्ल) से त्यागपत्र पर मुक्त दिया गया।

सं० 2883बी/ए-19012 (3 बी० के० एस०)/85-19 बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, बा० बी० के० श्रीवास्तव को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, 650-30-740 35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के

न्यूनतम वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आवेश होने तक 31-3-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 2894बी/ए-19012 (3एस० के०)/85-19बी-- भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, डा० संजय कुमार को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आवेश होने तक 31-3-1986 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता, दिनांक 13 मई 1986

सं० 2728बी/ए 32013 (3 डी० रसा०)/85-19बी-- राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के रसायनज्ञ (वरिष्ठ) डा० डी० पुरुषोत्तम को निदेशक (भू-रसायन) के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 1500-2000 रु० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में आगामी आवेश होने तक, 6-3-86 के अपराह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

डी० पी० डौंडियाल
वरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए-19011(160)/83 स्था० ए०--श्री एन०पी० मूर्ती, क्षेत्रीय खान नियंत्रक (तदर्थ आधार पर), भारतीय खान ब्यूरो को उनके मूल पद उपखान नियंत्रक पर दिनांक 28 फरवरी 1986 के अपराह्न से प्रत्यावर्तित कर दिया गया है।

पी० पी० वादी
प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

नागपुर, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए-19011(121)/86-स्था० ए०--विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री के०एन० राजू, उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी को भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 7-5-1986 के अपराह्न से पदोन्नति प्रदान की गई।

सं० ए-19011(317)/86 स्था० ए०--श्री वाय०के० व्यंकटेश का डायरेक्टरेट आफ वनस्पती, नई दिल्ली के कार्यालय में उप निदेशक (लागत) के पद पर चयन होने

के परिणाम स्वरूप उन्होंने भारतीय खान ब्यूरो में महाधक निदेशक (लागत) का पदभार दिनांक 28-2-86 के अपराह्न से छोड़ दिया है।

जी० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1986

सं० 4(89)/75-एस-1-- श्री एम०पी० राय, कार्यक्रम निष्पादक, विदेश सेवा प्रभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1986 अपराह्न से निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर मर्यादा सेवा में सेवानिवृत्त हो गए हैं।

आई० एल० आदिथा
प्रशासन उपनिदेशक (कल्याण)
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

सं० ए-11013/2/86-एम० (एफ० एण्ड एस०)-- राष्ट्रपति ने डा० नरेण चन्द्र संगल को 23 मार्च, 1984 में जवाहर लाल सातकोतर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पोंडिचेरी में स्वतंत्र चिकित्सा प्राध्यापक के स्थाई पद पर स्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० के० घई
उप निदेशक प्रशासन (सी० एंड डी०)

नई दिल्ली, दिनांक 20 मई 1986

सं० ए-12025/3/84-सी० जी० एच० एम०-1 (पार्ट)-- सेवा निवृत्ति की आयु के हो जाने पर सेवा निवृत्त हो जाने के फलस्वरूप, श्री एम०जी० गुप्ते ने 28 फरवरी, 1986 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता में प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० एन० ठाकुर
उप निदेशक प्रशासन (सी० जी० एच० एस०)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(कृषि एवं सहकारिता विभाग)

वनस्पति रक्षा, संगरोध और संयंत्र निदेशालय

फरीदाबाद दिनांक 20 मई 1986

पत्र सं० 7-4/86-प्र०प्र० प्रथम--वनस्पति रक्षा सलाहकार, भारत सरकार, श्री के०के० सिंह को दिनांक 28-4-1986 (अपराह्न) से केन्द्रीय निगरानी केन्द्र, बिलासपुर

(मध्य प्रदेश) में रु०-650-30-740-35-810-द० रं०-35-800-40-1000-रं० रं०-40-1200 के वेतनमान में निगरानी अधिकारी (राजपत्रित) के पद पर अस्थाई आधार पर प्रथम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० कुटार
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

तामिस्रणीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद, दिनांक 5 अप्रैल 1986

आदेश

सं० ना ई स/का प्र 5/2606/3277/263—जबकि यह आगेपित किया गया कि “श्री मोहम्मद मसीहूदीन के—जब कि वे तामिस्रणीय ईंधन सम्मिश्र के बॉल बेयरिंग तलिका संयंत्र में कारीगर “ए” के रूप में सेवास्त थे, अचकाश का दिनांक 23-4-84 पर्यंत अनुमोदन किया गया था। वह अपने कार्य से दि० 24-4-84 के बाद से (अचकाश के बिना अनुमोदन के ही) अभावित रहते तथा पत्राचार के लिए अपने वर्तमान पते की सूचना नहीं दी तथा उसके द्वारा केंद्रीय तामिस्रणीय सेवा (आचरण) नियम 1964 के नियम 3(i) (ii) तथा 3(i) (iii) के अनुसार कदाचरण का एक कार्य किया।”

तथा जबकि उक्त श्री मोहम्मद मसीहूदीन को ज्ञापन संख्या ना ई स/का प्र० 5/2606/3277/1687, दिनांक 15-1-85 (में दृष्टव्य ज्ञापन) के अनुसार उनके विरुद्ध आरोप तथा की जाने वाली प्रस्तावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

तथा जबकि निवास सं० 22-3-34, याकूतपुरा दारबजंग की गली के अंदर, हैदराबाद-500023 के उनके आवासीय पते पर प्रेषित किए गए उक्त ज्ञापन को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किए, “बिना अनुदेश दिए व्यक्ति ने अपना निवास अविरत कर दिया है, अतः पत्र प्रेषक को लौटाया गया” (की अभ्युक्ति के साथ) लौटा दिया;

तथा जब कि उन्हें प्रेषित किए गए पत्र को डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए ही लौटा देने के कारण से इस ज्ञापन की एक और प्रति को उन्हें सौंपने के लिए सुरक्षा कर्मचारी के माध्यम से प्रेषित की गई;

तथा जब कि सुरक्षा कर्मचारी ने सूचित किया कि यह ज्ञापन उन्हें नहीं सौंपा जा सका क्योंकि उक्त श्री मसीहूदीन ने अपने पड़ोसियों तक को अपना अता-पता बिना सूचित किए याकूतपुरा गली के अंदर स्थित अपने निवास सं० 22-3-34 की रातों-रात खाली कर दिया;

तथा जब कि यह विचार किया गया कि आरोप की एक नॉव करवाई जाए तथा तत्नुसार आदेश सं०

नाईस/काप्र० 5/2606/3277/1986, दि० 11-4-85 (में दृष्टव्य आदेश) के अनुसार एक ज्ञापन अधिकारी की नियुक्ति की गई;

तथा जब कि ज्ञापन प्राधिकारी ने यह लिखते हुए कि श्री मोहम्मद मसीहूदीन को उपस्थित होने का अवसर न होने के कारण से एक एकमात्र कार्य की गई तथा तामिस्रणीय में उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष को निम्न हुआ मानते हैं, अपनी दिनांक 15-2-86 की स्पष्ट प्रस्तुत कर दी;

तथा जब कि दिनांक 15-2-86 की जॉन स्पट (प्रति संलग्न है) यह मामले के प्राप्ति का साक्ष्यपूर्वक मतन करने के उपरान्त अधोहस्ताक्षरी आदेश को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि मोहम्मद मसीहूदीन सेवा में बनाए रखने के योग्य उपयुक्त व्यक्ति नहीं हैं तथा उक्त श्री मोहम्मद मसीहूदीन पर सेवा से निष्काशन का दंड अधिरोपित किया जाए;

अतः प्रव, परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० 2/2/82-सतर्कता, दिनांक 9-5-83 के साथ केंद्रीय तामिस्रणीय सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अर्पण) नियम 1965 के नियम 12 के उप-नियम (2) के अनुच्छेद (ख) को सहयोगित करते हुए तथा उनके द्वारा प्रस्तुत प्रतियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त श्री मोहम्मद मसीहूदीन को सेवा से तत्काल प्रभाव से एतद्वारा निष्काशित करते हैं।

श्री मोहम्मद मसीहूदीन, ज० सी० ए० प्रसाद गुरु
22-3-34, याकूतपुरा,
दारबजंग गली, उप मुख्य कार्यपालक (प्रणा०)
हैदराबाद-500023।

न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड

बम्बई, दिनांक 15 मई 1986

सं० ए० पी० बी०/3(282)/85-स्थापना 1/8295—निदेशक (प्रभियांत्रिकी) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई एतद्वारा इस बोर्ड के स्थायी सहायक लेखा अधिकारी डॉ० एल० गवाणकर को 21 मार्च 1986 के पूर्वाह्न में आगामी आदेश जारी होने तक इसी बोर्ड में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्ति का आदेश पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० पी० बी०/3(282)/85-स्थापना 1/8296—श्री के० जी० नारायण सहायक लेखा अधिकारी ने परमाणु ऊर्जा विभाग बम्बई के स्थापना आदेश के फलस्वरूप न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड में 25 मार्च, 1986 पूर्वाह्न में आगामी आदेश जारी होने तक सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

सं० ए० पी० बी०/3(282)/85-स्थापना-1/4296—निदेशक (प्रभियांत्रिकी) न्यूक्लियर विद्युत बोर्ड बम्बई

एतद्वाक्य श्री श्री जगन्निवासाय नमः संवाच्य अनुसंधान
केन्द्र के उच्च श्रेणी वाले शोध विद्वानों द्वारा प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष)
के स्थापनापत्र संस्था के स्थापनापत्र 1986
के पूर्वार्द्ध में भारतीय अर्थशास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में
सहायक लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत रूप से नियमित
आधार पर नियुक्त करने के लिए।

आर० ए० तलपदे
महाविद्यालयी अधिकारी

दिनांक 12 मई 1986

सं. ए-32014/7/84-ई०सी०--सहायनियुक्त नागर विमानन, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और अन्य आदेश होने तक 650-1200 रुपए के वेतनमान में, सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	नियमित आधार पर नियुक्ति की तारीख
----------	-----	----------------------------------

इसरो उपग्रह केंद्र
प्रारक्ष विभाग

बेंगलूर-560017, दिनांक: 9 मई, 1986

सं० 020/1(15.1)/86-स्थापना-1-—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेश 4, निम्नलिखित व्यक्तियों को प्रैज्ञाति/प्रमियन्ता एस०बी० पद पर दर्शाई गई नियतियों से अगले आदेश प्राप्ता होने तक अस्थाई आधार पर प्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहाय नियुक्त करने हैं :—

वी० जयचन्द्रन,
उपनिदेशक, प्रशासन

क्रम सं०	नाम	पदनाम	दिनांक
-------------	-----	-------	--------

1. श्री प्रताप बी० बनेकुड़ी वैज्ञानिक	3-2-86
अभियंता एस०बी०	
2. कुमारी उमा मादापुर वैज्ञानिक	5-7-86
अभियंता एस०बी०	

पृ.चं० एस० रामदास
प्रशासन अधिकारी-11

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1986

सं० ए-12025/1/84-ई०एम०--पंच लोक सेवा आयोग
की सकारित्त पर, राष्ट्रपति श्री एल० सदासिवन को
21-4-1986 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक 700-
1300 रुपये के वेतनमान में स्थापन रूप से उच्चयोग्यता
अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

श्री एन० सदासिवन को निदेशक, उड़नयोग्यता, हैदराबाद
हवाई प्रड्डा, हैदराबाद के कार्यालय में तैनात किया जाता
है।

दिनांक 21 मई 1986

स० ए-32012/3/84-ई०एस०-—राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 21-2-1986 से और प्रगले आदेश होने तक 1100—1600 रुपये के वेतनमान में वरिष्ठ उड़नयोग्यता अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्ति करते हैं :—

सर्वश्री

1. एस० एस० नट
2. एस० एस० कुनेर
3. ग्रनुपम बेगची
4. एच० एम० फुल
5. मोहम्मद मुस्तफा
6. देव प्रसन्नाधीष
7. एल०एम० माथूर
8. डी०पी० घोष

क्रम सं०	नाम	नियमित आधार पर हुई नियुक्ति की तारीख
----------	-----	--------------------------------------

सर्वश्री

- | | |
|----------------------|------------|
| 1. एन० सी० गुप्ता | 28-03-1986 |
| 2. आर० एस० ब्राह्मजा | 27-03-1986 |

सं० ए-19011/1/85-ई०एस०--राष्ट्रपति, मूल नियम 56(के) के अधीन श्री टी०के० मधु, निधन्यक उद्भवोप्यता का सरकारी सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का अनुरोध 20-2-1986 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

एम० भट्टाचार्य
उप निदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विभाग

समाहर्तलिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नागपुर, दिनांक 22 मई 1986

सं० 10/86--समाहर्तलिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नागपुर के श्री पी०एल० चिकाटे, प्रशासनिक अधिकारी समूह "ख" ने सी०सी०एस० (पेन्शन) नियमावली, 1972 के नियम 48(1)(ए) के अंतर्गत शासकीय सेवा से दिनांक 30-4-86 अपराह्न में निवृत्त हो गये।

आर० के० आदिम
उप समाहर्ता (कार्मिक और स्थापना)

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

करीबाबाद, दिनांक 22 मई 1986

सं० 3-744/86-मुख्य जल भू० (स्था०)--श्री बृजेश सिंह को दिनांक 21/4/86(पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूविज्ञानी के पद पर जी०सी०एस० समूह-ख (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी०पी०सी० सिन्हा
मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्लानहारस गाइड एंड सप्लाय कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 10468/560(5)--कलकत्ता कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि प्लानहारस गाइड एंड सप्लाय कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आज आज

राज्य मिल

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं०/18572/560(5)--कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अन्तराल तक आज आज राज्य मिल प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और फिलिप एंड

कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 16 मई 1986

सं० 19108/560(5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फिलिप एंड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आज मेरी

कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिनांक 16 मई 1986

सं० 21612/560(5)--कलकत्ता, कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आज मेरी कंपनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आज आज

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 23842/560(5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आज आज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आज आज पब्लिसिटी

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 24231/560(5)--कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि आज आज पब्लिसिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और बेंगाल
स्टेशनरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 24284/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि बेंगाल स्टेशनरी कम्पनी प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और कानाड़पुर
डेवलपमेंट कंसर्न प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 27343/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि कानाड़पुर डेवलपमेंट कंसर्न
प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया
है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और ब्राह्मडियाल
नैशनल डेवलपमेंट सिडिकेट प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 14275/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि ब्राह्मडियाल नैशनल डेवलपमेंट
सिडिकेट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से
काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और चौरंगी प्रेस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 27410/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि चौरंगी प्रेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम
आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैमिक एजेंसिस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 27612/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा

सूचना दी जाती है कि मैमिक एजेंसिस प्राइवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त
कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और देम्पल नरमिंग होम
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मई 1986

सं० 30587/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956
का धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि देम्पल नरमिंग होम प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आदिवासी
मार्निंग एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के
विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1986

सं० 30636/560(5)---कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि आदिवासी मार्निंग एंड इंडस्ट्रीज प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है
और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० के० पाल
कम्पनियों का अ: रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

आयकर अपीलीय अधिकरण,

बम्बई, दिनांक मई 1986

सं० एफ-48/एडी/एटी/1986—श्री डी० के० गुप्ता,
हिन्दी अनुवादक, आयकर अपीलीय अधिकरण, अहमदाबाद,
पी०, अहमदाबाद को तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता
सहायक पंजीतार, के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण,
अमृतसर पीठ अमृतसर में तीन माह की अवधि के लिए,
दिनांक 5 मई, 1986 के पूर्वाह्न से या जब तक कि उक्त
पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो पाती, जो भी पहले हो,
नियुक्ति किया जाता है।

उक्त नियुक्ति संदर्भ आधार पर है और श्री डी० के०
गुप्ता को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई
दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके आधार पर उनके
द्वारा प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी
में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोत्त
किए जाने की गारंटी ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुगला
अध्यक्ष

प्रथम भाग टी. एच. एच. -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० एम० 108 3/8 6-87-अतः मुझे, एच० आर०

दास,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1294/12 मिसन कम्पाउन्ड है तथा जो सहारनपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9 अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल विमतीतिवत् अनुसूची से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक है कि किसी प्राप्ति का दावा, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उनसे बचने के अन्तिम के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बात या किसी वस्तु या अन्य वास्तविकता, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाषा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान्वे में लीकटा के लिए;

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री वाई० कम्पवेल पुत्र जी जेम्स जी कैम्पवेल निवासी—
16 पंडित पंच मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह चन्दर नि० 1294/12 मिसन
कम्पाउन्ड, सहारनपुर।

(अन्तरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों काट पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संकाय न० 1294/12 मिसन कम्पाउन्ड सहारनपुर।

एच० आर० दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 7-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० एम० 1084/86-87--यतः मुने, एच० आर०

वास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 60, 61, और 106 है तथा जो दादरी में स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायदश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महेश पुत्र श्री यादू नि० ग्राम हिरनाडी, दादरी, गाजियाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मे० हंसालयी सहकारी आवास समिति लि० द्वारा श्री सुरेश कुमार शर्मा पुत्र श्री मोहर चन्द्र नि० ई-51 एन० पी० एफ० कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा नं० 60, 61, 106 दादरी गाजियाबाद ।

एच० आर० वास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 7-5-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० चंडीगढ़/37ईई/1342/85-86—यतः मुझे

जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान/प्लॉट नं० 326 है तथा जो सैक्टर 33ए,
चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क, ख के अधीन लुधियाना स्थित सक्षम
अधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 30 सितम्बर 1985

को प्रयुक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरगिनिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आप की नाशत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :—

(1) कर्नल एन० के० खन्ना (रिटायर्ड) पुत्र श्री एच० एम०
खन्ना, निवासी मकान नं० 326, सैक्टर 33ए,
चंडीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नरेन्द्र कौर आनन्द पत्नी श्री जनरैल सिंह
आनन्द, श्रीमती मनिन्द्र कौर आनन्द पत्नी श्री हरभजन
सिंह आनन्द, श्री बलभीत सिंह आनन्द पुत्र श्री जनरैल
सिंह आनन्द तथा मास्टर गगनदीप सिंह आनन्द
(नाबालिग) पुत्र श्री हरभजन सिंह आनन्द द्वारा
उसके नेचुरल गाडियन तथा माता श्रीमती मनिन्द्र
कौर आनन्द, निवासी मकान नं० 662 सैक्टर 33 बी,
चंडीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोहेस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
ही है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान/प्लॉट नं० 326 सैक्टर 33ए चंडीगढ़। (अर्थात्)
वह जायदाद जो कि सक्षम अधिकारी, लुधियाना द्वारा दिनांक
30-9-1985 की धारा 269-क, ख के अधीन रजिस्टर्ड किया
गया)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० राजपुरा/3/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषय इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 79 बिघा 10 बिसवा है तथा जो गाँव मौजा वनूड तहसील राजपुरा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने से अन्तरक के बाविल्य में कमी करने या सबसे कम में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या कितनी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री कुलदीप सिंह, मुखविन्द्र सिंह पुत्रात् श्री शमशेर सिंह निवासी वनूड तहसील राजपुरा जिला पटियाला। (अन्तरक)

(2) मेसर्स सुरजीत एण्ड सुरेन्द्रा इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड, रादोड़ रोड, यमुनानगर, जिला ग्रम्बाला/द्वारा श्री हरमिन्द्रलाल पुत्र श्री संत राम निवासी फिलौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 79 बिघा 10 बिसवा जो कि गाँव मौजा वनूड तहसील राजपुरा पटियाला में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के विलेख संख्या 2148 माह सितम्बर, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 12-5-1986

सोहर :

प्रारूप भाग टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० लुधियाना/320/85-86—यतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 40 बिघा 12 बिसवा है तथा जो गाँव
कंगनवाल, तहसील तथा जिला लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितम्बर 1985

को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए अन्तरक की गई है और मूल्य यह विज्ञापित
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब तक
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्षम सम्पत्ति धारक
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(1) श्री धर्मन्त सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह निवासी 650/1
गुरदेवनगर लुधियाना तथा श्री अमरराज सिंह पुत्र
श्री हरभजन सिंह निवासी 800, गुरदेवनगर,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) दी लुधियाना हेमकुंट कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग
समा लिमिटेड, रजिस्ट्रार ऑफिस 402, नवी मोहल्ला
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
ग्रह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

जोगिन्द्र सिंह,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

संक्षेप सूची, बी.एन.एन.

सहायक अधीनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत

सहायक अधीनियम

सहायक अधीनियम, सहायक अधीनियम आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/7-यतः मुझे जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो ग्रीन एग्रेग्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1985

को पूर्णतः सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत प्रतिफल के लिए वन्दित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँ पूर्णतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे अस्वभाविक प्रतिफल के वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी (अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की बावजूद, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तर्गत के अधिनियम से कमी करने या उक्त करने में अधिभा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में इविधा के लिए;

(1) मैंसे गुप्ता कारपेट्स इन्टरनैशनल अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री वरवारी लाल आनंद पुत्र श्री परीरामदास आनन्द कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरिकी)

(3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है और कोई किराएदार अगर कोई है।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोदस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यहाँ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्रवाई करने का कारण है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति सूचना:—इसके प्रमुक्त सूचों और वनों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ण होगा जो उक्त अन्तर्गत में विवक्षित गया है।

अमृतसर

एक कोटी नं० 381 ग्रीन एग्रेग्यू अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेनशेड नं० 9811 तिथि 10-12-1985 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

सहायक अधीनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 8-5-1986

मोहर :

यह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तर्गत में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

प्ररूप बाईं टो. एन. एड. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमलाल, सहायक, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/5--अन: मुझे जसपाल सिंह,
आई० आर० एस०

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का प्लॉट है तथा जो अजनाला रोड डिवेलप
मेंट स्कीम अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तम पड़ा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दर्यमान से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अपधारा (1)

(1) श्री राजिन्द्र कुमार सूद पुत्र श्री जगन्नाथ सूद पंजाब
एंड सिध बैंक बिल्डिंग, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री सोहन सिंह गौव
बरियारीवाल तहसील ब जिला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है और किराएदार अगर
कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
अवरोधिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 6-ए, अजनाला रोड डिवेलपमेंट स्कीम, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड ता० 6097
तिथि 3-9-85 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०,
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैज, अमृतसर

दिनांक: 7-5-1986

मोहर

प्रकाश भाई. बी. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

कॉ भाग 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/6—यतः मुझे, जसपाल सिंह
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब की अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विषयात् कर्म का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य रु. 1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो भवानी नगर, मजीठा रोड़ अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से इसे दृश्यमान प्रतिफल के बराबर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाका गवा। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कर्म नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी गवा की कर्म, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी गवा या किसी धन या अन्य जास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान में सुविधा के लिए

(1) श्रीमति आशा देवी पत्नी श्री भीम सैन, भवानी नगर, मजीठा रोड़, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री बृज मोहन बांसल पुत्र श्री संत राम सकान नं० 22, गली नं० 6, भवानी नगर, मजीठा रोड़, अमृतसर

(अन्तरि)

(3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है और किराएदार अगर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकारण:- इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतसर

एक जायदाद नं० 22, गली नं० 6 भवानी नगर मजीठा रोड़ अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेलडीड 6553 दिनांक 17-9-1985 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

अधः ठह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

3-106 GI/86

प्रश्न नम्बर टी. ए. ए.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कानून, सहायक सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/9-यत: मुझे, जसपाल सिंह,

आई० आर० एस०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इससे पहले 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो अर्जनाला रोड अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

का द्वाबेक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उपदेशों से उक्त अंतरक निश्चित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक में कोई किसी बात की शक्ति, जहाँ अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के संबंध में कभी करने या करने के लिए के लिए और/वा

(ख) कोई किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 [1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लीनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संलग्न के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० के० सहगल पुत्र मदनलाल सहगल मार्फत स्टेट बैंक आफ इंडिया अटारी जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री पपरीतम सिंह पुत्र श्री लेट नवाब सिंह गाँव बडाला, जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम नं० 12 पर है और कोई किराएदार अगर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके द्वाबेक संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाही कराई गई है।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वादों :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तरवर्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में बराबर होती है, के भीतर द्वाबेक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ निश्चित में किया जा चुके हैं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उक्त बन्धन में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 गैर प्लॉट में अर्जनाला रोड डिवलपमेंट स्कीम, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडीड नं० 678 दिनांक 27-9-1985 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 13-5-1986

मोहर :

प्रकृत आर्.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/8-यतः मुझ, जसपाल सिंह
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अत्रिनाग रोड अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राशियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी धन वा अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आर० के० सहगल पुत्र श्री मदन लाल सहगल,
मार्फत, स्टेट बैंक आफ इंडिया, अटारी, जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री परशोत्तम सिंह पुत्र लेट श्री नवाब सिंह गाँव नडाला,
जिला कपूरथला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम न० 2 पर है और कोई किराए वार अगर
कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त अपरिचित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कपूरथली

1/4 शेयर प्लॉट अत्रिनाला रोड डिवलपमेंट स्कीम अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के सेलडोड नं०
7592 दिनांक 10-10-1985 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतसर

दिनांक : 13-5-1986

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एम्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/11-यल: मुझे जसपाल सिंह
आर्. टी. एन. एम्.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजबाला रोड अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) श्री आर० के० महगल पुत्र श्री मदनलाल महगल
मार्केट स्टेट बैंक आफ इंडिया अटारी जिला अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) कुमारी मनजीत कौर पुत्री करतार सिंह गांव राजपुर
जिला जालंधर।

(3) जैसा कि क्रम नं० 2 पर है और कोई किराएदार अगर
कोई है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसर

1/4 हिस्सा प्लॉट अजना ता रोड डिब्रेजमेंट स्कीम अमृतसर
में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सेलडीड नं० 7593
दिनांक 18-10-1985 में वर्ज है।

जसपाल सिंह, आर्. टी. एन. एम्.

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 13-5-1986

मोहर।

प्रकाश आई.टी.एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर बजट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश सं० अमृतसर/86-87/10-यतः मुझे, जसपाल सिंह
आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धितका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो अजनाला रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपायध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से की जा
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जायतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर० के० अहमद पुत्र श्री मदनलाल सन्नगल
मार्फत स्टेट बैंक आफ इंडिया अटारी जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मनजीत कौर पुत्री करतार सिंह गाँव राजपुर
जिला जालन्धर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम नं० 12 पर है और कोई किराएदार
अगर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यग्यी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

सत्यापन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बध्नाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अधिनियम में दिया गया
है।

अनुसूची

1/4 हिस्सा प्लॉट में जो अजनाला रोड डिवलपमेंट स्कीम
अमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में सेल
डीड नं० 6785 दिनांक 27-9-1985 में दर्ज है।

जसपाल सिंह, आई० आर० एस०

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 12-5-1986

माहूर :

प्रथम भाग टी. एन. एन. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू० 37ईई/12/85-86-

अतः मुझे, बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए 68 टी० सी० ट्रिव्यून कालोनी अम्बाला में
स्थित है) और इससे उपाय अन्तःसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 19 सितम्बर
1985।

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

(1) श्री स्वतन्त्र कुमार गोयल नि० 8 नार्थ अप्सरा प्राली
हिल बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० गांधी गुप्ता एंड फार्नेस एंड चिट फंड कं० लि०
द्वारा डायरेक्टर श्रीमती प्रेमिला गांधी, अनन्त बिस्मिंग
अम्बाला छावनी।

(अन्तरिणी)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपभ्रंशकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अन्तःसूची

सम्पत्ति 68 टी० सी० जो ट्रिव्यून कालोनी अम्बाला में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 37ईई/12/85-86 दिनांक 14-9-
1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

इसका नाम: डी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगांव/187/85-86--

अतः मुझे बी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 41 कनाल 16 मरले जो सुखराली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 3 सितम्बर 1985 को पर्यवेक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और इसे वह विश्वास करते का कारण है कि ब्यापारोन्मुख सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (बंदरगाहों) और अंतरिकी (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अंतरण को किए गए जाने का प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबोध से उक्त अंतरण निश्चित में सम्पत्तिक कम से अधिक नहीं किया गया है—

(क) सम्पत्ति में हुई किसी भाग की बिक्री, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाधित से कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत है, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति/वस्तु/वस्तुएं—

(1) श्री रघुनाथ उदमी नि० सुखराली तहसील गुडगांव ।
(अन्तरक)

(2) म० अन्सल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 115
अंसल भवन, 16 कस्तुरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली ।
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

अन्तर्गत :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 41 कनाल 16 मरले जो सुखराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री संख्या 2963 दिनांक 3-9-1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-5-1986

साहू

प्रथम भाग, टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुडगाँव/199/85-86

अतः मुझे वी० एल० खत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० भूमि 21 कनाल 4 मरले जो करतारपुरी में
स्थित है (और इनमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगाँव में
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 4 सितम्बर
1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब तक
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से अभिन्न नहीं किया गया है :-

(क) व्यवहार से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
व्ययित्व में कमी करने या उसके बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

(1) श्री रामनाथ पुत्र कुडिया, श्री साहिब राम राजिन्द
सिंह पुत्रान राम नाथ, नि० करतार पुरी।

(अन्तरक)

(2) मै० अंसल प्रापर्टीज एंड इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि० 115
अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तरायणी व्यक्तियों के
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यापार सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोक्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

सम्पत्तिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं,
यहाँ वर्ण होना जो उक्त बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 21 कनाल 4 मरले जो करतारपुरी में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगाँव में
रजिस्ट्री संख्या 3002 दिनांक 4-9-1985 पर दिया है

वी० एल० खत्री,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-5-1986

मोहर &

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/190/85-86---

अतः मुझे बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 3 कनाल, 1 माला जो सुबराली में स्थित है) और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के प्रधिन, दिनांक 5 सितम्बर 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्हु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरती (अन्तराधिकारों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उदाहरण विहित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम में अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अति/सू

(ख) प्रती किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि: :-
4-106 GL/86

(1) सर्वश्री जयलाल, भगवानी, खजान सिंह मीर सिंह पुत्रान रामपत नि० सुबराली, सह० गुड़गांव।

(अन्तरक)

(2) मै० अमल प्रापटीज इन्स्टीज प्रा० लि० 115 अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 39 कनाल 1 माला जो सुबराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रार/कर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रार/संख्या 3010 दिनांक 5 सितम्बर 1985 पर दिया है।

बी० एल० खत्री
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

प्रकृष जाई. टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० गुडगांव/194/85-86---

अतः मुझे बी० एल० खन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10, सफ्टर-18 इंडस्ट्रियल एरिया गुडगांव में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय गुडगांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य जास्तियों के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा है।

सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० इंडियन पाइपस् प्रा० लि०, 17 शिवाजी मार्ग (नजफगढ़ रोड) नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मुंजाय शोवा लि०, बी०-109 ग्रेटर कैलाश, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम के अधीन प्रकट द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 10 जो सफ्टर-18 गुडगांव में स्थित है जिसका अधिकार अधिकार रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्री नं० 3108 दिनांक 9-9-1985 पर विद्यमान है।

बी० एल० खन्ना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज रोहतक,

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

प्रकाशित की जायेगी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर अधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू० गुड़गांव/288/85-86 -

अतः मुझे, बी० ए० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें एकमात्र इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें 12 कनाल, 7 मरले है तथा जो सुबराली में स्थित है (और इसमें जमाबंदी प्रतिलिपि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) (जिसका नाम निम्नलिखित में दिया गया है) निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

12 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृहीत है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिनका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 3381 दिनांक 12-9-1985 पर दिया है।

अनुसूची

(1) श्री बाबू पुन श्रीमती चन्दली श्रीमती कस्तूरी विधवा श्री रूप किरन उर्फ किमन, श्रीमती भीम कौर विधवा मांगे श्रीमती मुमानों विधवा भगवान सर्व/श्री सतबीर कुलदीप, राकेज लि० गुडराली।

(अन्तरक)

(2) गै० अंसल हाउसिंग एंड इस्टेट (प्रा०) लि० अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सम्पत्ति भूमि 12 कनाल, 7 मरले जो सुबराली में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 3381 दिनांक 12-9-1985 पर दिया है।

बी० ए० खत्री
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 8 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० गुड़गांव/347/85-86—

प्रतः मुझे, बी० एल० खत्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में भूमि 17 कनाल जो गुड़गांव में स्थित है और इससे उदात्त भूमि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाया के कार्यालय गुड़गांव में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 20 सितम्बर 1985

को प्राप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री महीपत नि० सुबराली तह० गुड़गांव ।

(अन्तरक)

(2) मसर्स अंसल हाउसिंग एंज इंस्टेट (प्रा०) लि० 115 अंसल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमव्ययी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, या उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

सम्पत्ति भूमि 17 कनाल जो गांव गुड़गांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्री संख्या 3640 दिनांक 20-9-1985 पर दिया है ।

बी० एल० खत्री,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, रोहतक

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 1/86-87-प्रतः मुझे,

एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० रोड हित या जो फतेह नगर हैदराबाद में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुभूति में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आवास, बल्लभनगर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मयम प्राप्तिव विस्टा का० आई० श्री के० पी०
भास्वी, को-17, डीडस्ट्रीट/या इस्टेट, संन नगर,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैमम दात्ता इलेक्ट्रॉनिक्स प्रा० लि० घर नं० 6-3-
1100/5, सामाबागुडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रोड नं० सं० 57, विसीर्ण भूमि 1905 चौ० गज, फतेह
नगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेज नं० 3004/85, रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी, बल्लभनगर।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 5-5-1986

मोहर :

प्रमुख भाग टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 3/86-87-प्रत : मुझे
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० घर है तथा जो हिमायतनगर हैदराबाद में स्थित
है (और इसने उक्त अधिनियम में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, चौकडपल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अधिनियम के तहत किसी बात की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के बाधित
से किसी कारण या उसके कारणों के सूचना के लिए
की गई थी

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री मुलतान अब्दुल बहीद और अन्य तीन, घर नं०
2-2-11/1, आडोकमेंट, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री पत लाल प्रबाल और अन्य तीन, घर नं० 21-7-
226, चारकमान, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारा के तहत सूचना सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाध :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद से प्रकाशित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को उक्त सम्पत्ति के दायमान

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्तुताधारी के
बाद लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसने प्रकृत सम्पत्ति और वहाँ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही वर्ण होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-374 दो मंजिल की इमारत, विस्तीर्ण
987 चौ० ग०, रोड नं० 2, हिमायतनगर, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत
चिलेख नं० 1446/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चौकडपल्ली।

एम. जगन मोहन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, हैदराबाद

दिनांक : 5-5-1986
मोहर :

प्रारूप आर्द्द. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० आर्० ए० सी० नं० 2/86-87-अतः मुझे,
एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० धरा है जो श्रीनगर, कालोनी, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक पितृम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमात्र
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि अध्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
इसके वयमान प्रतिफल से ऐसे वयमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पादा दया
वितरण नियमविरुद्ध अवरोध से उक्त अन्तरण निषिद्ध
में भारतीय अधिनियम के अधिनियमों के द्वारा किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
कार्यलय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
प्रदान, और/वा

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी आद या वस्तुओं, अधिनियम में
सुविधा के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब में अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डी० के० रामचन्द्र राव और प्रथम दो, नानाजुन नगर,
कालोनी, पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० दशरथ रामा रेड्डी और अन्य एक, घर
नं० 8-3-1104, श्रीनगर कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में छोड़ने की बावत :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याप्योक्त के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-1104, विस्तीर्ण 715.5 चौ० गज, श्रीनगर
कालोनी, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 239/85, रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 5-5-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 मई 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/3/इड/9-85/1046—

-अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 3, 4,
भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर कार्यालय,
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

का पब्लिक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की शर्त है। यह मूल्य 1985 का
कारण है कि स्थापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात्
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अस्तित्व में कमी करना या उक्त शब्दों में सूचना
दे भिए; और/या

(ग) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, क्लियर में
वर्णित दे भिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेनर्स वरीस्था उद्योग लिमिटेड, 13-14, खंड,
आत्मा राम हाउस, 1, टालस्टाय मार्ग, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेनर्स मीरा स्याल और अर्जन स्याल
बी 3/68, प्रथम खंड, सफदरजंग एन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्धक 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
गया है।

अनुसूची

द्वारा खंड प्लेट नं० 3, 4 भिकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली। 856 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/9-85/

1076-—अतः सुने, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
‘आयकर अधिनियम’ कहा गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत आयकर अधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ए-4, गुल
मोहर पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर के कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 के अधीन दिनांक मितम्बर 85

को पतन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता मिलेस के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के तहत अन्तरण निम्नतम में वास्तविक रूप से कथित नहीं
होना चाहिए

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची में अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किन्हीं अन्य कारणों से, निम्नतम में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

5-106 GI/86

(1) श्रीमती नारो देवी वात्सानी पत्नी ए० एस०
वात्सानी, जे-17, जंगपुरा एकाईशन नई दिल्ली
द्वारा अन्तरण एंटीरनी श्री दलजोत सिंह शाहपुरी
निवासी-बी-45, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राज गवदेव सुपुत्र स्वर्गीय डा० आर० एल०
गवदेवा सी-121, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पतन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में मसाला होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृत्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुसूची 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सामने का हिस्सा धरातल खंड प्रोपर्टी नं० ए-4, गुल
मोहर पार्क, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1986

मोहर :

अध्याय 20-क, भा. 269-ग, अधिनियम, 1961

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/37 ईई/9-85/1081--

--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य अधिकतम रु. 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो फ्लैट नं० 412,
नं० 6, भीकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
आयकर के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक सितम्बर
1985

को पूर्वोक्त सूचना के उचित साक्ष्य तथा जो प्राप्त की गयी है
प्रतिपक्ष के लिए अन्तर्गत की गई है और उसे यह विश्वास
करने का कारण है कि संपूर्ण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साक्ष्य
तथा उसके व्यवधान प्रतिपक्ष से, ऐसे व्यवधान प्रतिपक्ष का
उचित प्रतिपक्ष से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे व्यवधान के लिए एक
समान कानूनी अधिकार प्रतिकूलता प्रकटित है उक्त अन्तरक
प्रतिपक्ष से वास्तविक रूप से अधिकतम उचित विचारण

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वापस में करी करने या उसके करने से प्रतिपक्ष
के लिए की गई।

(ख) ऐसी किसी बात का किसी एक या अन्य व्यक्तिगतों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया जा सकता था या किन्हीं
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
है, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हिन्दुस्तान जनरल एक्सपोर्ट हाउस,
ए-45, नारायना इंडस्ट्रीयल एरिया, फेज-2,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कंप्यूटर मिस्टम एंड मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स
प्रा० लिमि० 102, 8ए, बहादुरशाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली 2।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सूचना के जारी के अन्तरक से अर्जन रेंज-3 में जारी की जाती है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
किया की गयी है 30 दिन की अवधि, जो की
अधिकतम के समान होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को के किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के लिए
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वास्तविकता के
के लिए के लिए का करीब।

अन्तर्गत :—इसमें अन्तरक अर्जन रेंज-3, के उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है। उक्त वर्ष होने को उक्त अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 412, नं० 6, भीकाजी कामा पलेस, नई
दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1986
मोहर []

प्रारम्भ आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37 ईई/10-85/
1086--अतः सुक्षे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो सी 5/37, सफदरजंग,
डेवेलपमेंट एरिया, नई दिल्ली स्थित में है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय,
अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर, अधिनियम,
1961 के अधीन तारीख अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एन० पृथोराम सिंह द्वारा प्रताप आइस
फैक्टरी, अर्जन नगर, एंड जवाहरिंग सफदरजंग
एकलेव, नई दिल्ली 29।

(अन्तरक)

(2) श्री सुशील कुमार बोहरा 2 श्रीमति पम्मी
बोहरा 3 तन्त बोहरा और पंकज बोहरा 1;
निवासो के 113, होजबास, नई दिल्ली 16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मांगोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी अवाउ नं० सी 5/37, सफदरजंग डेवेलपमेंट
एरिया, नई दिल्ली 1 क्षेत्रफल 2,900 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-5-1986

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सक्षम

भारत सरकार

सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/
9-85/1201—अतः मुझे, सुनील चौधड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2228 और 2229/16, प्लॉट नं० 577,
ब्लॉक के० है तथा जो हरद्वान सिंह रोड, में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एका अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोध से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से अतिरिक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भी कीमत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) के अधीन कर देने के लिए, उक्त
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्तरण नहीं किया गया
था या किया जाला चाहिए था, जिनमें से सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम के अधीन 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रूप नारायण शिव नारायण, प्रियम नारायण
सुपुत्र जय नारायण, निवासी 2229/16, हरद्वान
सिंह रोड, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) जे० के० एस० प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड 2229/
16 हरद्वान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली
द्वारा डायरेक्टर श्री ओ० पी० कोहली।

(अन्तरिती)

का यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी अवधि में, या
सूचना की जारी होने से 30 दिनों की अवधि में भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं,
हैं, कहीं वर्ष होना जो उस अध्याय में प्रकृत हैं।

अनुसूची

प्रपर्टी नं० 2228 और 2229/16, ताशदी 183 वर्ग
गज। प्लॉट नं० 577, ब्लॉक के०; हरद्वान सिंह रोड,
नई बाला; करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौधड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1986

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/9-85/
1200-अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 32-बी है तथा जो
ढाई स्टोरी हाउस, ओल्ड राजिन्दर नगर, पूसा रोड़ में
स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी भाग या किसी धन या धन्य वास्तव्य
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ
अन्तरिती बुझाए प्रकट नहीं किया गया या या किसी
अन्य बाटिष्प या, विधानों में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए०० अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
निवासी 12/3/86, प्लॉट नं० 32, ओल्ड राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली नगर, नई दिल्ली नगर, नई दिल्ली नगर,
नई और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
12/3/86, प्लॉट नं० 32, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राम लाल लाल स्वर्गीय राम
लाल निवासी 12/3/86, प्लॉट नं० 32, ओल्ड राजिन्दर नगर,
नई दिल्ली नगर, नई दिल्ली नगर, नई दिल्ली नगर,
नई और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
12/3/86, प्लॉट नं० 32, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके, मुझे, मुनील चोपड़ा के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए मुझे भी बाधक :—

(क) इस सूचना के जारी होने की तारीख से
45 दिन का अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
सूचना की अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या अन्य व्यक्तियों के द्वारा;

(ख) इस सूचना के जारी होने की तारीख से
45 दिन के भीतर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
दिल्ली अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के पास
लिखित में उक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) में परिभाषित
है, वहीं अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) में दिया
गया है।

अनुसूची

ढाई स्टोरी हाउस प्लॉट नं० 32, ओल्ड राजिन्दर
नगर, पूसा रोड़, नई दिल्ली-110032

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28-4-1986

मोहर :

FROM: [REDACTED] TO: [REDACTED]

(1) आनंद प्रकाश
एल 77/बी, मालविया नगर,
नई दिल्ली ।

(प्रन्तरुह)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सक्त

आर्य समाज

पञ्चाशत्, सहायक साधक १०८५ (१९५५)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 12 मई 1986

(2) राम लाल शर्मा,
जी 93, मालविद्या नगर,
नई दिल्ली।

(ग्रन्थरिती)

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्डू०/३/एच०आर० ३/
-८५/१२४०--अतः मूक्षे, मृनील चौपडा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-93 है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपायुक्त प्रमुखता में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारजी अधिनियम के कार्यालय, नई दिल्ली में भारत रजिस्ट्रारजी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक जनवरी 85

जहाँ पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर पर प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है। यहाँ पर प्रस्तावित करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, उचित अन्तरण-प्रतिफल से कुछ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरण) और अंतरण (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए एक बड़ा बड़ा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया।

को यह सूचना जारी करके पत्रिका सम्पादन के द्वारा कानून
अधीनस्थता करवाते हैं।

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

(क) इस सूचना के आशय से प्रमाणन की ताकत में 45 दिन की अवधि या तात्कालिकी समितियों पर सुप्रीम की ताकत से 30 दिन की अवधि का भी अवधि याद में रखना होती है, के नीचे पूर्णतः निम्नलिखित का संश्लेषण किया गया है;

(9) श्री सुभाष चंद्र बोस की याद में 45 दिनों की भीतर जयपुर स्थित सभी बौद्ध विहारों में श्री बोस की प्रतिमा स्थापित की जायेगी।

अभिनिन्द्य, ठेक्कापत्र 20-क में परिवर्तित
है, वही अर्थ हुआ जो उस वर्षाग में दिया
गया है।

जिसे कानूनन ही हटाने की आवश्यकता है।
 कानूनन ही हटाने की आवश्यकता है।
 कानूनन ही हटाने की आवश्यकता है।
 कानूनन ही हटाने की आवश्यकता है।

अंगवस्त्राणां

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन का प्रयोग अधिकृतों को बिना भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, वायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ धरणीय द्वारा प्रयुक्त नहीं किया गया या या किया जाना चाहते हैं, प्रमाण के बिना;

बी 93, मालविया नगर, नई दिल्ली, 290 वर्ग गज।

मूनोल चौपडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्द्धन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
 'जी', 'जी', उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-5-1986

मोहुर :

प्रारूप आई.टी.एस.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर 3/
10 85/1248--अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदवाच 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त आयुक्त, निरीक्षण आकर मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है और निम्नकी संख्या है तथा जो सी-18, वेस्टेंड
कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर
1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तर्गत में हुई किसी आय की वसूली, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत में
परिचय में आयी करने या उससे उक्त में अधिनियम
के अधिनियम और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी आय का उक्त अधिनियम
का अधिनियम भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी आय का अधिनियम या अधिनियम में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम 2—

(1) श्री जे० जे० एन० सेन गुप्ता सुपुत्र
स्वर्गाय श्री जे० सी० सेनगुप्ता निवासो सी-18
वेस्टेंड कालोनी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एन पी ओसवाल सुपुत्र आर० सी० ओसवाल,
निवासी 205, सूर्या किरण विल्डिंग,
कै० जे० मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना करने के लिए पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए
कार्यालय में आया है।

सूचना तारीख के अन्तर्गत में कोई भी अधिनियम—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो तारीख
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सूचना में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित हो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी-18, वेस्टेंड कालोनी, नई दिल्ली। तादावी
500 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1986
मोहर :

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

(1) यशवंत कुमार सेठी सुपुत्र राम चन्द्रा सेठी निवासी एफ-90 कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुदर्शन कुमार कोहली सुपुत्र दीवान चंद कोहली 2 कुम कुम कोहली पत्नी सुदर्शन कुमार कोहली 14 पानम मार्ग वंसत विहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-3/10-

85/1245--अतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 8 है तथा जो ब्लॉक डी डिप्लोमेटिक एंक्लेव एक्सटेंशन, को० ओ० हाउस बिल्डिंग, बेस्टेंड कालोनी दिल्ली में पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नई दिल्ली 1986

पर पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरगत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहायक आयुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्त से कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; कोई/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारिता :—
6—106 GI/86

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिकतम बाध में समाप्त हो गई हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोक्षताकारी के बाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी रियरिंग प्रवासीय प्लॉट नं० 8 ब्लॉक डी डिप्लोमेटिक एंक्लेव एक्सटेंशन हाउस बिल्डिंग सोसायटी लिमि० डी-8 बेस्ट एंड कालोनी नई दिल्ली तादादी 500 वर्ग गज।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 12-5-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमर्शियल, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 12 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/एस आर-3/18-
85/1246—अतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो ठाई स्टोरी बिल्डिंग
प्लॉट नं० सी-70 मस्जिद मोठ आवासीय स्कीम पंचशील
एंकलेव नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध से
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
अक्टूबर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के भट्टाचार्य चीफ एक्स्ट्रीव
मैनेजमेंट ट्रेडर एंड रिनस्ट मैस्ट (प्रा) लि०
शिव साँग एम्बेट डा० अर्नः बसेट रोड,
बम्बई 18

(अन्तरक)

(2) जय सिंह मेहता ए-248 डिफेंस कॉलोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आवासीय हाउस ठाई स्टोरी बिल्डिंग प्लॉट नं० सी-70
मस्जिद मोठ रेसिडेंशियल स्कीम पंचशील एंकलेव नई
दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सत्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-5-1986

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-3/

1272/11-85—अतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसमें इसमें इसका उल्लेख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंख्या है तथा जो प्रापर्टी नं० 3 ब्लाक एम, ग्रीन पार्क एस्टेट नई दिल्ली में स्थित (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती शीला देवी पत्नी स्वर्गीय हरीश चंद गुप्ता 2. मिर पुष्पा गुप्ता सुपुत्री हरीश चंद गुप्ता 3. रमेश गुप्ता 4. कैलाश गुप्ता 5. विनोद गुप्ता सुपुत्र हरीश गुप्ता एम-3 ग्रीन पार्क (एकस्टेशन) नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) तरसेम चंद मित्तल सुपुत्र कुंदन लाल मित्तल (2) रेणू मित्तल पत्नी तरसेम चंद मित्तल निवासी एम-10 ग्रीन पार्क एकस्टेशन नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोपी बिल्डिंग भूमि तादादी 340 वर्ग गज।
वियरिंग प्लॉट नं० 3 ब्लाक एम, ग्रीन पार्क एकस्टेशन नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-5-1986
सोहर :

प्रकरण आई.डी.एच.एस.

भाषकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

साक्षर सहायक

कार्यालय, सहायक भाषकर बाबू (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/3/एस आर-2/11-
85/2720—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-79, है तथा जो इन्दरपुरी, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य इसके व्यवसाय प्रतिफल से ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विधित में वास्त-
विक रूप से अभिहित नहीं किया गया है—

(क) अंतरक से हुए किसी नाम की वापस, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना के अधीन सूचना
के अधीन सूचना के अधीन सूचना के अधीन सूचना के अधीन सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरित किया गया था या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचना दे रहा हूँ—

(1) श्री जगदीश नारायण दत्त सुपुत्र श्री हरनाम दास
दत्त, निवासी सी-79, इन्दरपुरी, नई दिल्ली,
(अन्तरक)

(2) मैमर्स मैन्था और एलाइड प्रोडक्ट (प्रा०) लि०
1/10, आसफ अली रोड, नई दिल्ली, द्वारा
मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नन्द लाल नन्दा,
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए
आवश्यक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्री० नं० सी-79, तादादी-500 वर्ग गज, स्थित इन्दरपुरी,
नई दिल्ली, खसरा नं० 1651, क्षेत्र ग्राम नारायणा, दिल्ली,।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-4-1986

मोहर ३

प्रकट आई.डी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-2/11-

85/2730—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 11, रोड नं० 49, पंजाबी बाग, मादीपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1985

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल के पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) व्यवमान से हुई किसी भी वस्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के व्यवमान के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) तिलोचन मिह्राय सुपुत्र तारा सिंह, निवासी-34, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सुदेश बत्रा परानी मन मोहन बत्रा निवासी-8/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

यदि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए आवश्यकता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में आई.डी.एन. बाकी :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षाव याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में छिपे हुए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 11, रोड नं० 49, तादादी 555.55 वर्ग गज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली क्षेत्र, गाँव-मादीपुर, दिल्ली, राज्य, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 5-5-1986

माहूर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० नो०/एक्यू०/1/37ईई/9-85/2071

—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
आने परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्रतीपकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वामी सम्पत्ति, जिसका उचित साधारण मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं० जी एफ-10,
धरातल खंड, 7, टाजस्टाय में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार प्रधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार-
कारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वामी आचार्य मुख्य स कम के दशम
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकत कोषित आचार्य मुख्य
मूल्य, उसके दशममान प्रतिफल से ऐसे दशममान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया
विशेष निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की धारणा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य बातों
का बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावकारण
अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) अरोड़ा कंस्ट्रक्टर एंड बिल्डरम प्रा० लिमिटेड
जी एफ-6, अंजन भवन, 16, कस्तूरबा गांधी
मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) पर्ल फ्लैट्स (इंडिया) लिमिटेड, एफ-44, भगत
सिंह मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के विषय
कार्रवाई करने के लिए।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वामी सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी ई-10, धरातल खंड, 7, टाजस्टाय मार्ग,
नई दिल्ली, तादादी 698 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-4-1986

मोहर :

प्राथम्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन संचिता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/9-85/

2079—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विषय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 27, कर्जन रोड, जिसे अब कस्तूरबा गांधी मार्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-अधीनकारी के आयुक्त, अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली 1 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपापेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद्वत् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करियन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सहायक आयकर प्रा० निविटेड ई-1 और 2 एन ई एम ई-2, राधा कृष्णन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) सहायक आयकर प्रा० निविटेड प्रा० निविटेड 4830/84, गिरामो, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काकोप :—

(क) इस सूचना के रासपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

30 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

27 कर्जन रोड जिसे अब कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001 ताबादी 5735 वर्गगज।

आर० पी० राजेश

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 30-4-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) गुजराल एस्टेट प्रा० लिमि० 17, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) डा० अनुराधा मोई पत्नी सुनील कुमार मोई द्वारा जनरल बाबर आफ अटोरनी होल्बर चमन लाल ए 1/4, बंसत बिहार, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/9-85/

2080—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो स्पेश नं० 12, 7वां खंड विजया विल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड़, में स्थित है (और इनके उभाव्रत प्रमुखों में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्पेश नं० 12, 7वां खंड विजया विल्डिंग, 17 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली तादाद 570.06 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्लीतारीख : 30-4-1986
मोहर :

प्रकाशक ए.पी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/9-85/

2083—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हमने
हमके पञ्चास 'उत्तर अधिनियम' का उल्लेख है), की धारा
269-ब के अधीन आदेश प्रधिकार, जो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 7, ब्लाक नं०
2, 3, श्रीरंगजेव रोड, 4, पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपग्रह अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन विनांक गितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
संदर्भ प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण बिनाश से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक से हुई किसी भी बात की बात, उक्त
अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम के अंतरक के
दायित्व से किसी कारण या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात का अन्य बाधितों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किसी बात को, स्थान में सुविधा
प्रदान की है।

अतः मुझे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नं०, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

7-106 GI/86

(1) श्री विजोयानंद पटनायक 3, श्रीरंगजेव रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डिसेंट प्रोपर्टी प्रा० लिमिटेड 22, बाराखम्बा
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि शेष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का दो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही धर्म होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7, ब्लाक नं० 2, जाना जाता है 3, श्रीरंग-
जेव रोड, 4 पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ली 1, क्षेत्रफल
1532 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश

आयकर अधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) जो पतेन जीव और एन पी अग्रवाल एन 150, ग्रेटर कैलाश 2, ई 482, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री नरेंद्र वसी तथा जर्गीस एन पी वर्मा एन 119, ग्रेटर कैलाश 2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 30 अप्रैल 1986

को यह सूचना जारी करके पुराने सम्पत्ति के बर्तन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाकी है—

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/1/37 ईई/9-85/
2091—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इससे इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एम 119, ग्रेटर कैलाश 2, प्रथम खण्ड, में स्थित है (और इसके उदाहरण अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन दिनांक 5 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अप्रत्याशित रूप से उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त सम्पत्ति के लिए में आदर्शित रूप से उचित नष्ट किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उचित करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी अन्य या किसी अन्य या अन्य आस्तियों के बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवलोकन अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता अर्थात् था, विधान में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(क) इस सम्पत्ति के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृत्य की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक मात्र में अन्तरण होगी है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों को लिखित सूचित किया जाएगा;

(ख) इस सम्पत्ति के दृश्यमान में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य को लिखित सूचित अथवा अथवा अथवा के पास लिखित सूचित किया जा सकेगा।

अन्तरिकरण:—इसके अन्तर्गत अर्थात् और एन का जो उक्त सम्पत्ति, उक्त सम्पत्ति 20-क में परिभाषित है, उक्त सम्पत्ति को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम 119, ग्रेटर कैलाश 2, प्रथम खंड, नई दिल्ली।
ता. 30 अप्रैल 1986

आर० पी० राजेश
सहायक अधिकारी
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-4-1986
मोहर :

DATE: 11.11.2019

मानक वित्तियन, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-ब (1) के तहत सूचना।

STATE OF TEXAS,
COUNTY OF DALLAS.

कार्यक्षेत्र, सहायक, लायकर व्यय (निर्देशन)

अर्जन रेंज-I नई दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० आर्द० ए० ला०/एनयू०/१/३७ ईई/९-८५/

2093--अतः मन्त्रे, आर० पी० राजेन्द्र,

रखकर बांधाने, 1961 (1962 का 43) (विश्व रत्न)
इसके स्थापक 'वैद्य अमिनीय' (जन्म 1911), की मृत्यु
269-क के अधीन सत्य प्रामाण्य के यह प्रमाणित करने का
कारण है कि रत्नधर स्वामी, जिसका अधिकतम मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिनकी संख्या है 175 जो सड़क नं० ए तिरारा खंड, बहुमंजिली इतारा तिरारा जाल प्रमदित में स्थित है (और इसके उत्तर में प्रमुख से पूर्ण रूप से वृजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के अधिनियम, जई तिरारा अर्जन रेंज 1, स्कीम, 28, तिरारा जाल में प्राचीन रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख मितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अन्तरिक्ष में प्रेषित करने के अन्तर्गत प्रतिकूल के लिए अन्तरिक्ष की शर्त है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तरिक्ष में सम्पत्ति का उचित वापार मूल्य, उसके सम्पत्ति के अन्तर्गत प्रतिकूल के लिए प्रतिकूल का अन्तर्गत प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) के अन्तर्गत अन्तरिक्ष के लिए तब तक नया प्रतिकूल, अन्तरिक्ष के अन्तर्गत अन्तरिक्ष के अन्तर्गत अन्तरिक्ष में वास्तविक रूप से अन्तरिक्ष के अन्तर्गत अन्तरिक्ष है।

(1) श्री दिनेश सिंह एवयूए 1, थायगर्जा मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) विनेग विनोयोग प्रा लिमिटेड 1, थायागजी मार्ग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

क्यों यह कृपा जारी करके पुर्णतः सम्पत्ति के खर्च के लिए कार्यवाहियां करूँ करता हूँ ।

उद्योग संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के संचयन में व्यवधान की राहों व 45 दिनों की अवधि या आवश्यकता पड़ने पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के दौरान सूचना प्राप्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवादी किन्हीं अन्य व्यक्ति द्वारा जन्मेहुताहारी के नाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ऊपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

मनसुची

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसका विधिवानुसंगिक अपात का दान को अन्तर्गत के दायित्व में कमी करने या समझे वकान में दानिया के लिए कर/या

(ख) इसी विधायक का नाम 'महाराष्ट्र के अन्तर्गत' वर्गीकृत किया जाये, किन्तु भारतीय संविधान के अनुच्छेद 122 (1922 का 11) के अन्तर्गत वर्गीकृत, या जनसंख्या अधिनियम, 1957 (1951 का 29) में प्रस्तावित वर्गीकृति इसका प्रत्यक्ष नतीजा नहीं है। इसका क्या या क्या विधान द्वारा किया जाये, विधानों को संविधान के विरुद्ध;

४. न. जगत अभिनिर्देशक का नाम, पता, जिला, तहसील, पोस्टाफिस (१)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँतः —

फ्लैट नं० ए, निम्न खंड एक खुला पार्किंग प्लस,
बहुमंजिली हाउसिंग सोसायटी गिरधारी नाल अपार्टमेंट,
28, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली 1-नाशदी 1600 वर्ग
फीट।

आर० पी० राजेश
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-4-1986
मोहर :

प्रकरण आर्ट. 201 एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली; दिनांक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू०/1/37ईई-9/85/

2109—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक आयुक्त (निरीक्षण) को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं० 1208 से 1215 तक देविका टावर 6, नेहरू प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उनावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हयमान प्रतिफल के ऐसे हयमान प्रतिफल का बराबर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरी (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिक के आन्तरिक रूप से कीमत बढ़ा दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग का बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी भाग का अन्य बाविल को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वयार्थ अन्तरीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयार्थ को, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) प्रगति कंसल्टेशन कम्पनी देविका टावर, चौथा खंड, शीतला हाउस, 75 74, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) चर्च आफ नार्थ इन्डिया ट्रस्ट एसोसिएशन 16, पंडित पंत मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरीति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के अधिनियम के लिए आवश्यकता है।

उक्त अधिनियम के अन्तर्गत के अधिनियम के अधिनियम :—

(क) इस सूचना के अन्वयार्थ से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिनियम के से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अन्वयार्थ से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित या लिखित रूप से।

अन्वयार्थ :—इससे प्रकट किये गए पत्रों का, जो उक्त अधिनियम के अधिनियम 20-क से परिभाषित हैं, नहीं बर्त होंगे या उक्त अधिनियम में बिना पत्रा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1208 से 1215 देविका टावर, 6 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। तालाब 3920 वर्ग फीट।

आर० पी० राजेश
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 30-4-1986
मोहर :

सकल आर्थिक प्रवृत्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 14 मई 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37 ईई/286/2771

—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो प्लॉट नं० 7,
ब्लॉक नं० 2, 3, श्रीरंगजेब रोड़, 4 पृथ्वीराज रोड़, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसके उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) आयकर अधिनियम के कार्यालय, अर्जुन
रेंज-1, नई दिल्ली में प्राप्त आयकर अधिनियम 1961
के अधीन, दिनांक फरवरी 1986

का ऐवरेज प्रदर्शन के कारण आयकर सूचना से इस के स्वभाव
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वस्थ सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयंसेवक प्रतिफल से ऐसे स्वभाव प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) और अन्तरिक्षी
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरिक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरिक्ष
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बताने है—

(1) श्री बाज्यानंदा पटनायक 3, श्रीरंगजेब रोड़,
नई दिल्ली।

(अन्तरिक्ष)

(2) डिपेंडेंट विलिंडर प्रा० लिमिटेड 22, बाराखम्बा
रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

कई नए सूचना भारतीय प्रवृत्ति सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्पत्ति से कोई भी बाजार है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर सूचित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 7, ब्लॉक नं० 2, 3 श्रीरंगजेब रोड़, नई
दिल्ली, 4 पृथ्वीराज रोड़, नई दिल्ली, प्लॉट का क्षेत्रफल :
1539 वर्ग मी।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 14-5-1986

मोहरा :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

मने यह सूचना जारी करके प्रयोक्ता संपत्ति के भ्रजन के निम्न कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अनन्त सम्पत्ति के लक्षणों के सुखान्ध में कोई भी बाधाएँ ।

अर्जुन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 मई 1986

निर्देश सं० अई-२/३७-ईई/२५००६/८५-८६-प्रतः

मुख्ये, निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2A2-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० ए० जी० यणवत नगर, प्लॉट नं० 70, 53 एम० वी० रोड, अंधेरी (प०), बम्बई 58 में स्थित है (योग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। दिनांक 20-9-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतियोगिता से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्त-द्विती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरक निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या 30 अवधि नाम की कक्षाएँ होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

संक्षीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधीनस्थ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[illegible]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिसमें से सुविधा के लिए;

जस्तव जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दुकान नं० ए, जो मशवंत नगर प्लाट नं० 70, 53,
एस० वि० रोड, ग्रंथेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जसाकी क्र० सं० अई-2/37-ईई/25006/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
20-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2, लम्बई

दिन क : 6-5-1986

मोहर :

प्रकाशक: श्री. एच. एच. एच. एच.

1) श्री एल० एन० बालरा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एन० ठक्कर।

(अन्तरिती)

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भिक सूचना

लक्ष्मण दास, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० आई-3/37-ईई/24403/85-86—अतः :

मुझे लक्ष्मण दास

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो श्री नटराज को० ग्राम०
हाउसिंग सोसायटी लि०, आर० बी० मेहता रोड, घाटकोपर
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

यह पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई निरिती काय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भूकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, जिसके में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति को सूचित करता हूँ—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आशय 2—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 10, जो नटराज को० ग्राम० हाउसिंग
सोसायटी लि०, आर० बी० मेहता रोड, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/24403/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 12-5-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष असाव^१ तरी, त्याच प्रमाणे, त्याचप्रमाणे त्याचप्रमाणे त्याचप्रमाणे

(1) रमेश चंद्र तुल्यानी ।

शाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मेसर्स फोटो श्राट सविसेस ।

(अन्तरिणी)

आरंभ करणार

कार्यालय, सहायक बाबकर आम्बवत्त (निरिक्षिप्त)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० अई-३/३७-ईई/२३९९९/८५-८६-अतः

मन्त्रे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित मापदण्ड रु. 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० दूकान न० 8 जो प्लॉट न० 24, यदकुल को आप हाउसिंग सोसायटी लि०, पोस्टल बालनी रोड, फलायओकर के पास चेंदूर बम्बई-71 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कार्रवाई में अन्तरक को वापस में कर्षी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या

(ग) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में सूचिभा के लिए;

कथन 11क, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

लवक सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सवों की व्यक्तियों सूचना पर की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि वाक्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना को मातृगण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा शर्मादेवाश्रमी के पाल निष्ठा में किए जा सकते हैं।

स्थापनाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचित जाति

प्लॉट नं० 24 जो दुकान नं० 8 यदकुल का० ग्राप०
हार्डिंग मोशायटी पोस्टल पालोनी "रोड, फलाय, ओवर
के पास चेंबर बम्बई-71 में स्थित है।

प्रन्सुची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/23999/85-86 और तो मन्त्र पत्रिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-5-1986
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) इंडो लेदर वर्कर्स।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/24570/85-86—अतः

मूझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें एकके बमबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 यूनिट सं० पहली मंजिल पर जो, गुरु गोविंद सिंह इंडस्ट्रियल इस्टेट आफ वेस्टर्न एक्सप्रेस हाथ वे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिकार से लिए अंतरित की गई है और इसके यह विचार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त के दायमान प्रतिकार से, ऐसे दायमान प्रतिकार का बन्धु प्रतिकार से अधिक है और अन्तरगत (अन्तरगतों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के नियम पाया गया प्रतिकार निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरगत विधि के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरगत से हुई किसी बात की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरगत के उचित बाजार मूल्य के उचित बाजार मूल्य के उचित बाजार मूल्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रारम्भिक अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, किन्तु यह सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

8-106 GI/86

(2) श्री मती चित्रा सुधीर मोहन दास (प्रमोटर)
सहान फूटवियर इंडस्ट्रियल प्रा० लि० (नियोजित)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त स्थावर सम्पत्ति में किए जा सकेंगे

स्वीकृति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6 यूनिट जो 1ली, मंजिल पर गुरु गोविंद सिंह इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी लि० वेस्टर्न एक्सप्रेस हाथवे गोरेगांव (पूर्व), बम्बई 63 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-2/37-ईई/24570/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :-

प्रकरण नवम्. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० अई-4/37-ईई/22354/85-86—अतः
मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके अध्याय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है जिसका सर्वे नं० 286, एच० नं०
1 ए, सिटी सर्वे नं० 594 (अंश) विलेज दहिसर, तालुका
बोरिवली बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री
है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निहित में
गणनात्मक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
राशित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी भाग या किसी भू-या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
दम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया गया था जहाँ का, 1957 का
अधिनियम के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तता, अधीन :—

(1) श्री महेन्द्र के मेहता और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री इंदरमल नंदगम जी और अन्य ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट जिसका सर्वे नं० 286, एच० नं० 1 ए सी० टी०
सर्वे नं० 594 (अंश) विलेज दहिसर तालुका बोरिवली
बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37-ईई/22354/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञेन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्रत्यक्ष धारदार एन.एच.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन

प्राप्त वस्तु**कार्यालय. महायुक्त आयकर बाबू (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/12990/85-86—अंतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
एक पक्ष 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका प्लॉट जिसका सर्वे नं० 15, एच० नं० 7 (अंश)
सी० टी० एम० नं० 1338 (अंश), विल्हेज दहिसर,
तालूका बोरिवली बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-9-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तररितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय
में कभी कर के वास्तविक बचने के उचित बाजार मूल्य
का निर्धारण

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तररिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उचित बाजार
के लिए।

नोट: इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

(1) श्रीमती क्याम कुवरबेन जी० पनेहामातीया
और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स द्वारकेश इंटरप्रायजेस।

(अन्तररिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मृत्यु की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका सर्वे नं० 15, एच० नं० 7 (अंश)
सी० टी० एम० नं० 1338 (अंश), विल्हेज दहिसर तालूका
बोरिवली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/12990
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

तारीख : 12-5-1986

मोहर :

एक नमूना डी. ए. ए. नमूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब की अधीन सूचना

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थशास्त्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/22076/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 108, एच० नं० 10 (अंग), सी० टी० एस० नं० 2243, 2244, एकसार विलेज बोखिली बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त सम्पत्ति के प्रतिफल से, ऐसे जयमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाधा नया प्रतिफल, निम्नलिखित संक्षेप से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) नमूने के द्वारा किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बाधित नहीं करने का उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने के उद्देश्य के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स गणेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) एल० सी० ठक्कर।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त अन्तरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्भी व्यक्तियों का सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 208, एच० नं० 10, (अंग), सी० टी० एस० नं० 2243, 2244, एकसार विलेज बोखिली बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/22076/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-5-1986

मोहर :

प्रधान मंत्री का निवास, नई दिल्ली

(1) एम० डी० म्हाते और अन्य।

(अन्तरक)

(2) विशाल कन्स्ट्रक्शन्स।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/21997/85-86—अतः

मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1623-25,

26-27, 1646, 2648-1652 1657-1659-1669 - 1663-1683 1703, लिंक रोड, के पास विलेज

एकसार बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग से उक्त अंतरण निश्चित हो वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक न हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तिका का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) के उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए आवश्यकता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आलोच :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताधारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का अर्थ धारा 269-ग के अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है। यही अर्थ होगा जो अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

सी० टी० एस० नं० 1623-25, 26-27, 1646, 1658-1652, 1657-1659-1669-1663-1683

1703, लिंक रोड, के पास विलेज एकसार बोखिली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/21997/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 12-5-1986

मोहर:

प्रकाशक: टी. एन. एस.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सञ्चालक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निदेश सं० आई-4/37-ईई/22149/85-86—अतः :

मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट शिम्पोली विलेज में जिसका
एफ० पी० नं० 695, टी० पी० एस० नं० 3
बोखिली बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा के अधीन 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरितों द्वारा अन्तर्गत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ए० सी० अग्रवाल और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री मंजू एल० कुकरेजा।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपे —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
रक्षक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट शिम्पोली विलेज में जिसका एफ
695, टी० पी० एस० 3, बोखिली बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/22149/
85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-5-1986

मोहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

- (1) जे० एस० औद्योगिक उत्पादक सोसायटी लि०।
(अन्तरक)
- (2) मैगर्स कमर्शियल इन्स्ट्रक्शन कंपनी।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/22580/85-86—अतः

मुझे लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे नं० 41 (अंश)
चारकोप विलेज कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है (और
इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बांध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए;
और/या

(ख) तभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 41 (अंश), चारकोप विलेज,
कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/22580/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-5-1986

माहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/23192/85-86—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पक्षों: 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 104, से 110, जो 1ली,
मंजिल, जय श्रीक रणछोड़ धाम लोक मान्य तिलक
रोड, दहिमर (प), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनांक 1-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास
करने का कारण है कि गणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक में कोई किसी भाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बनें के अन्तरक के
द्वारा या कम या उक्त नब्बे में अधिनियम
के अधीन कोई भी

(ख) अन्तरिती में कोई भी या अन्य वास्तविक
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स जय विजय बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० टी बनवानी।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाजार :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 104 से 110, 1ली, मंजिल जय श्रीक
रणछोड़ धाम, लोक मान्य तिलक रोड, दहिमर (प), बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-4/37-ईई/23192/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 12-5-1986

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) एस० सुब्रामनियम्।

(प्रस्तरीक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) सैयद अब्दुल कादर।

(प्रस्तरीकी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 6/सितम्बर 1985—अतः मुझे,

हरदयाल सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 1, न्यू ठांक स्ट्रीट नुगम्बाक्कम्
है जो मद्रास 34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय थोसन्डलैन्डस में लेख
सं० 429/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अर्थ अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9 —106 GE/86

भूमि और मकान 1 न्यू ठांक स्ट्रीट नुगम्बाक्कम्
मद्रास 34, थोसन्डलैन्डस लेख सं० 429/85

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 5-5-1986

मोहर :

अध्याय 269-ब (1) के अन्तर्गत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अन्तर्गत

राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 8/सितम्बर 1985—अतः मुझे,

हरदयाल सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, पेक्काट्टुस गार्डन रोड, है तथा जो
मद्रास 6 में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय योसन्डलैट्स लेख सं० 463/85 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अन्तर्गत दिनांक सितम्बर 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के
समय में कभी करने या उससे पहले में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिए या जिनके में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मेरे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लैला रहमान और श्री के० कस्तूर रहमान।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० जरीना बेगम।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में बिना
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में सम्पन्न में कोई भी बाधा न—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं नहीं होगा, जो सार अर्थ में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 8 पेक्काट्टुस गार्डन रोड, मद्रास 6
योसन्डलैट्स लेख सं० 463/85

हरदयाल सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 5-5-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एर. एच.

(1) श्रीमती सीटर्स वाघेर।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

(2) श्री एम० शिवसुमुगम्।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक 15 अप्रैल 1986

निदेश सं० 79/सितम्बर 1985—अतः मुझे

हरदयाल सिंह

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 60 वाली गांव गूडलूर तालूका नीलगिरीस
है तथा जो वर्ण एस्टेट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गडलूर (नीलगिरीस लेख सं० 2163/
85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) कम्प्लेक्स है और किसी नाम की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
आइ/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधि-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्हीं नामों को, जिनमें से सुविधा
के लिए;

यह: वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
कार्यवाही कराई गई।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यग्भी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा अन्तरिती के द्वारा
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान एस्टेट '0' वाली गांव गूडलूर
तालूका नीलगिरीस वर्णसंड एस्टेट गूडलूर नीलगिरीस
लेख सं० 2163/85

हरदयाल सिंह

सख्त प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 15-4-1986

मोहर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस्.

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सहायक आयुक्त

काशीसय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० 124, सितम्बर 1985—अतः मुझे,
हरदयाल सिंह,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट 3 फ्लोर) डोर सं० 826 अण्णा
शाली है जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपायुक्त
मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय दक्षिण मद्रास लेख सं० 2752/85
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिपाद से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) मेसर्स तारापोर एण्ड कम्पनी जे० ए० तारापोर
फर्म रेप्रेसेटेटिव्स एच० तारापुर
(प्र-तरक)

(2) मेसर्स पालयूल फिंस इंडस्ट्रीस लिमिटेड इटरप्रायसेस
बी० पी० जे० देशाय।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के बाध
लिखित में किये जा सकते हैं।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट (3 फ्लोर) 826 अण्णा शाली मद्रास दक्षिण
मद्रास लेख सं० 2752/85

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

वस्तु यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख : 5-5-1986
मोहर :

प्रथम भाग, टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारायण अरकर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निदेश सं० 130/सितम्बर 1985--अतः मुझे,
हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 19 ए पिल्लयार कोइल स्ट्रीट ब्रालवारपेट
मद्रास है जो टो० एस० सं० 3726/ब्लाक सं० 76 मैलापुर
गांव में स्थित है (और इससे उदाहरण अनुसूची में और
पूर्ण रूप से उचित है), निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय
दक्षिण मद्रास लेख सं० 2868/85 में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अथवा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल के पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी
(अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी नया की जायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के
वास्तव में कभी करने या उससे वधने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तर्हस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स गणन् डंकल एण्ड कंपनी मद्रास लिमिटेड
श्री श्री निवासन् के लिये।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० विश्वनाथन्।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाधक
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

न्यायोचरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि 19 ए, पिल्लयार कोइल स्ट्रीट ब्रालवारपेट
मद्रास दक्षिण, लेख सं० 2868/85

हरदयाल सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-5-1986

मोहर :

अध्या 1 टी. एन. एच. —

(1) श्रीमती पावत ए० मेन्न् और के० एम० शंकर।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
भाग 269-ग की धारा 269-ग के अधीन सूचना

(2) श्री के० पार्थसारथी और श्रीमती श्री०
विद्याधरी।
(अन्तरिता)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1986

निदेश सं० 208/सितम्बर 2985- - अतः मुझे

हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० न्यू वर्ड सं० 19 टी० एस० वर्ड सं०
8 पेरिसमि रोड है जो आर० एस० पुरम् कोयम्बतूर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय
कोयम्बतूर लेख सं० 4278/85 में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1998 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और तब यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निर्धारित
है वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से पहले किसी आय की बाधक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
या कमी करने या उसके अन्तर्गत में बाधक के लिए
किया गया

भूमि और मकान पुराना सं० 8, न्यू सं० टी० एस० वर्ड
न० 8 आर० एस० पुरम् पेरिसमि रोड, कोयम्बतूर
कोयम्बतूर लेख सं० 4278/85

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
के लिए भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना माना या किया जाने में सूचना
के लिए)

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-2 मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अध्या 2—

तारीख : 17-4-1986
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) भूमि जमिनी प्राधिकारण प्राधिकृत लिमिटेड।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) मेसर्स जेमिनी एस्टेट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 240/सितम्बर 1985--अतः मुझे

हरदयाल सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 602 मौज रोड, है तथा जो मद्रास 6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सेन्ट्रल लेख सं० 867/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, निपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधों :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 602 मौज रोड मद्रास-6 मद्रास सेन्ट्रल लेख
सं० 867/85

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

उक्त अधिनियम, 1961 का 43

(1) श्रीमती लक्ष्मी प्रसाद और श्री एम० पी० सर्वोत्तम
और अन्यो।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) श्री ए० रमेश और अन्यो।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1986

निदेश सं० 241/तितम्बर-1986—अतः मुझे
श्री हरदयाल सिंहको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के विषय
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धर्मन —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह निर्देश करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराश्रीर जिनकी सं० 188, मोन्नेन रोड है, जो मद्रास-18 में
स्थित है (जो इसमें उल्लेखित अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
में वर्णित है), निम्नलिखित प्राधिकारी के कार्यालय
मद्रास में सूचना लेख सं० 840/85 में भारतीय राजीस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
तितम्बर 1985(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के धर्मन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके धर्मन प्राप्त से, ऐसे धर्मन प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अन्तरण लिखित में
प्रस्तुतिक रूप में उचित नहीं किया गया है।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा, जो इस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगी जो इस अध्याय में दी गई
गयी है।

अनुसूची

(क) इसमें से कोई भी व्यक्ति या धर्मन, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के धर्मन
के धर्मन करने या उक्त धर्मन में धर्मन के लिए
धर्मनभूमि और मकान 283 मोन्नेन रोड, मद्रास 18
मद्रास में सूचना लेख सं० 840/85(ख) किसी व्यक्ति या किसी धर्मन या अन्य धर्मन
की धर्मन भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धर्मन
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धर्मन
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाता चाहिए या धर्मन में धर्मन के लिएहरदयाल सिंह
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-2, मद्रासअतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-5-1986

मोहर :

प्रकरण माह. टी. एच. एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1986

निदेश सं. 37/मितम्बर/1985—अतः मुझे

हरदयाल सिंह

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० आर० एम० सं० 66/2ए और 68
है जो में स्थित है और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जाडगपट्टी (दम० सं० 2929/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से प्रकट नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुआ किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसमें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भाषाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10—106GI/86

(1) श्री पी० सुपारायन।

(अन्तरक)

(2) डी० चिन्मू।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और आर० एम० सं० 66/2ए और 68 सेलम

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 7-5-1986

मोहर :

प्रकाश आर्.टी.एन.एच. - - -

(1) श्री टी० के० गिगाराम और अन्य ।
(अन्तरक)भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) टेव फट जोश पालट्टी ।
(अन्तरिती)

आज्ञा सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, (I/c) मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० 102/मितम्ब-7/1985—अतः मुझे

हरदयाल सिंह,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० टी० एस० सं० 17/1 ब्लाक सं० 30 है जो अथनावरम गांव मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अण्णा नगर (दम० सं० 3463/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-9-1985

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में संस्तुतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में साक्ष्य के लिए;
कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई वादोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि अथनावरम गांव मद्रास टी० एस० सं० 17/1, ब्लाक सं० 30 ।

हरदयाल सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1, (i/c) मद्रास

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंता रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० 116/सितम्बर 1985—अतः मुझे, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 7, बंकटचला मूदली स्ट्रीट पाक टाउन, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोनारपट (दस० सं० 511/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-9-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वारदात, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मती बी० सुशीला और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ए. अबू धाहिर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 7, बंकटचला मूदली स्ट्रीट पाक टाउन मद्रास।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंता रेंज-1, (i/c) मद्रास

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री ई० मोहम्मद अली सरैकार और अन्यो।
(अन्तरक)
- (2) यु० मोहम्मद शौकतुल्ला और 5 अन्यो।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मई 1986

निर्देश सं० 117/सितम्बर 1985—अतः मुझे,

हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और, जिसकी सं० डोर सं० 196, एम० एस० वी० बोस रोड,
मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जे० एम० आर०-II, उत्तर मद्रास (दस० सं० 2691/85)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 16-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय
गया है।

भूमि और मकान—डोर सं० 196, एन० एस० चि०
बोस रोड, मद्रास 1 (दस० सं० 2691/85)

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 5-5-1986

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) श्रीमती एल० बी० सुजाताम्मा और अन्य।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) बी० टी० मोहन और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रेंज-मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मई 1986

निदेश सं० 140/सितम्बर-1985-अतः मुझे,

हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि और मकान डोर सं० 17, पारससारति
पुरम् स्ट्रीट है जो मद्रास 17 में स्थित है (और इससे
उपायान्वित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निम्न तथ्य पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तविक से कमी करने का समान बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, क्लियर में
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
प्र०, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

यह वह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतिसूची

भूमि और मकान-डोर सं० 17, पारससारति पुरम्
स्ट्रीट मद्रास 17 टी० नगर दस० सं० 1067/85।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-5-1986
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) बी० एम० रंगा।

(अन्तरक)

(2) आर० के० फ्लर फिल्म लेब्रोटेरी प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 13 मई 1986

निदेश सं० 33/सितम्बर-1985—अतः मुझे,

हरदयाल सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन उक्त अधिकारी को, वह विवरण करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति विभाग उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 155 आरकाट रोड, वडपलनी मद्रास
26 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोडम्बाकम् (दस० सं० 3054/85) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1985,

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
मूल्य के लिए वन्दारित की गई है, और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि अपापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन मूल्य से एवं अद्यतन मूल्य का पक्ष
संपत्ति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए उक्त बाजार मूल्य
मूल्य, विनिर्दिष्ट अनुसूची से उक्त अन्तरक विनिर्दिष्ट
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।

(क) अनुसूची से हुए किसी बात की अथवा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में
कभी कार्य या उक्त अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम,
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी पद या अन्य आस्थितियों
को, जिन्हें भारतीय बाजार अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भारतीय
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम
अन्तर्गत्त हुआ उक्त अधिनियम के अधिनियम या या किसी
बात या अस्थिति या, जिन्हें वे अधिनियम के अधिनियम;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधिनियम, विनिर्दिष्ट व्यक्तियों, वर्णित है—

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम है—

(क) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि कम से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 155, आरकाट रोड, वडपलनी
मद्रास-26 कोडम्बाकम् (दस० सं० 3054/85)।

हरदयाल सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 13-5-1986
मोहर :

इसमें आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

आका सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 8 मई 1986

निदेश सं० डी० आर०-197-अतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० सर्वे नं० 68 है तथा जो खंडेपार पोडा
गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी

के कार्यालय बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
12-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई

है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्व
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से काबिज नहीं किया
गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवर्धनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किन्ना धन वा किन्ना अस्तित्वों के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) आर० के० कामत् एण्ड अदर्स बोरकर रोड,
पश्चिम गोवा।

(अन्तरक)

(2) सीधू मागर इस्टेट एजेंसीज पोडा गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचने के लिए
कार्यवाही कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के बचने के सम्बन्ध में कोई भी बातें :-

(क) इस सूचना के उपरान्त से प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि
कम में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त से प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्तान्तरी के
पक्ष निश्चित में किए जा सकते हैं।

समाप्ति :- इसमें प्रस्तुत सभी की गई हैं, जो उक्त
अधिनियम के धारा 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अर्थ से लिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०-269 ता० 12-9-85)

प्रोपर्टी नोन एस० सालीम भट्ट आलसो तामन गूडो
एण्ड गोरभट्ट मेजरिंग 260075 59 एस० टी० एस० आर०
सर्वे नं० 68 एण्ड खंडेपार विलेज।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज बंगलूर

दिनांक : 8-5-1986

मोहर :

प्राख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निदेश सं० डी० आर० 824—अतः, मुझे, आर०
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 318 है तथा जो पणजी, गोवा
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 2 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का
पूरा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बादिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जवाबतः—

(1) डा० जय फिलिप फरेरा एण्ड ग्रदर्स/ओ
कामत रीगल इस्टेट असलुकर्क रोड पणजी
गोवा।

(अन्तरक)

(2) कामत रीगल इस्टेट एफ/2 इन्दिरा अपार्टमेंट
पणजी—गोवा।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखांकन के लिए
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा। जो उक्त अध्याय में वि-
वक्षित हैं।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 501 दिनांक 2-9-1985) ग्राऊंड
फ्लोर 620 स्क्वायर मीटरस बिल्ट ऐरिया एण्ड फ्लोर
फ्लोर 330 स्क्० मीटर ग्राफ बिल्ट ऐरिया प्लॉट नं०
318 सिव्हुएटेड एट पणजी—गोवा।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 7-5-1986
मोहर:

(1) हनुमान लंछे हनुमान लंछे अंज प्रसोसिएटस
मारचून बिल्लींग सेकिन्ड फ्लोर अपोजिट लोहिया
मैदान मङगाव, गोवा ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी सिखदत्त आनन्दसेन नियर शाता दुर्गा
हायर स्कूल विचोलिम, गोवा।

(अन्तरिणी)

न्यायस्थ वादकमंडप

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

प्रज्वल रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० डी० आर० ८३०—अतः, मन्त्रे, आर०

भारद्वाज

भाषाकार अधीनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्हित इसमें प्रथम उपबन्ध 'भाषा अधीनियम', सूचना नं. 4, की धारा 269-अ के अन्तर्गत यशवन्त प्रशिक्षणार्थी को, वह विज्ञापन करने का अधिकार है कि वह आगामी सम्पत्ति, जिसका अधिस्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्रयाग नं० 3 है तथा जो विचोक्तिम
गोवा में स्थित है (और इससे उपासद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर 1985

किसी कंपनी का सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तररिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गणायोज्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, यहाँ पर्यमान प्रतिफल में, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तररक्त (अन्तररक्तों) और अन्तररिक्त (अन्तररिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्थिति में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में काइ भी बाधक :—

(क) इस सूचना के साक्षरता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाढ़ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना की शायदश में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर सम्पत्ति में गृह, वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे ।

स्वाध्यायकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अथर्व
अभिधन्यम् के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होना उस अध्याय में लिख
ना है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी जाय की वास्तविक अर्थ-नियम को अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सविधा की जाए;

(ग) ऐसी किसी श्राव या किसी भन या अन्य जास्तनों के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक भन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनवर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत आने वाले प्रत्येक भन, 1957 (1957 का 27) का या किया जाना चाहिए था, स्थानों में सुविधा के लिए;

1000

(दस्तावेज सं० 505 दिनांक 5-9-85)

इयाप नं० ३ दि ग्राउन्ड फ्लोर आफ् दी बिल्डिंग
ग्रन्डर कंस्ट्रक्शन सिव्वाण्टेड ऐट विन्धोलिम, गोवा ।

भार० भारद्वाज
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जुन रेंज, बंगलूर

सतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसार
 २६९, ग उपर अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१)
 को अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—
 11—106 GI/86

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० डी० आर० 831--अतः मुझे, आर०
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट ए-1 है तथा जो पंजिम गोवा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण
रूप से वर्जित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर 1985।

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और चूंकि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंग्रेज दृश्यमान प्रतिफल का
बहुल प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकोषमार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
ब, अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति—

(1) मैसर्स सैसा टावर्स एंड बीनर्स डॉ० डोमिंगोस
राक डे सभ्रसा रोड पंजिम, गोवा ।
(अंतरक)

(2) श्री गोविंद केशव बुली बिहाईड दुबेदा बेकरी
हाऊस नं० 634 पंजिम, गोवा ।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लेखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 506 दिनांक 5-4-1985)

प्लॉट नं० ए-1 सुबुवेटेड गेट पंजिम गोवा मेजरिंग
120 स्वयंवर मीटर्स आन दी ग्राउंड फ्लोर (सं० नं०
276--277) ।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1986

मोहर :

प्रकरण भाग 1, सी. एन. एड.

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1986

निर्देश सं० डी०आर० 843—अतः, मुझे, आर०

भारतवाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन उक्त अधिनियम की यह धिक्कार करने का
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14 प्लाट्स है तथा जो बंगलूर
स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 5 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के अवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
अधिकतम, निम्नलिखित अनुसूचि के उक्त अन्तरण विहित में
रजिस्ट्रीकरण से एक अन्तरण प्रतीत किया गया है :—

(क) अन्तरण के लिए किसी एक की धारा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
अन्तरण के कभी करने का उक्त अन्तरण के अधिनियम
के लिए, अधिनियम

(ख) ऐसी किसी एक या किसी एक या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय मूल-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रत्येक अन्तरिती द्वारा प्रत्येक अन्तरिती किया
गया या जो किया जाया जाई और या, जिसने जो
अधिकतम के लिए;

(1) मेसर्स श्यामा एक्सपोर्ट्स प्राईवट लिमिटेड
135 डा० आनी बेसत रोड वोरलि बाम्बे-18।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स वीरा एक्सपोर्ट्स प्राईवट लिमिटेड 135
डा० आनी बेसत रोड वोरलि बाम्बे-18।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाही की जायेगी।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी कार्य :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 513 दिनांक 5-9-85) 14 प्लाट्स
एंड क्वार्टर पार्किंग स्पीस शहन गरडन अपार्टमेंट्स कॉम्प्लेक्स
एट बंगलूर मेजरिंग टोटल 19440 सुपर बिसेट अप
एरिया स्पेस आफ 50 नं० 4020 स्कावायर मीटर्स
(गरडन)।

आर० भारतवाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1986
मोहर :

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

प्रकृष जल, टी.एन.एल.

- (1) फ्लोरेस जोन अगनेलो वाह्य नीयर चर्च शांता कूज ईलास, गोवा।

(अन्तरक)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) की अधीन सूचना

- (2) मेसर्स एस० रीयल इस्टेट शांता कूज ईलास, गोवा।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त

आजीवन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1988

निदेश सं० डी० आर० 862—अतः, मुझे, आर० भारद्वाज

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की जारी होने से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बधु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिये गये हैं।

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें एकल संस्करण 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विनियम उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट/लैंड सर्वे नं० 108-120 है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाय अतुल्य में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन बंगलूर में दिनांक 2 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सहाय्यक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसकी इस्तेमाल प्रतिफल से ऐसे इस्तेमाल प्रतिफल का पड़ने प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण अंतरित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के अधिनियम में कमी करने या उक्त अंतरण से अंतरण के लिए, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या काया बाह्य या, अधिनियम में सूचित के लिए;

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 481 दिनांक 2-9-85) फाटन/जोरान आफ लैंड जो सर्वे नं० 108-120, इलाहाबाद, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज
अध्यक्ष प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

नोट: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-5-1988
मोहर :

प्रारूप आर्द्र. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमता फर्मीतो ई पेरेरा एन्ड अदर्स केरन करमालिम गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री गैनाल्ड मास्कोरेन्ना, 33 लक-विव मिरामार, गजिम गोवा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 7 मई 1986

निवेश सं० डी० आर० 877—अनः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० डी है, तथा जो तलोगांव विलेज में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड यनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 नवम्बर 1985, बंगलूर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अज्ञात की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित लक्ष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अभिमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होना हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमसूची

(दस्तावेज सं० 539 दिनांक 5-9-85), दि प्लॉट नं० डी सुचवेटड एट एम०टी० डी० त्रिनेा तलोगांव मेजरिंग, 2839 स्क्वायर मीटरस।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 8 मई 1986

निदेश सं० नोटिस नं० आर० 1787/37 ईई/-—अतः सुखे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन अधिसूचना जारी करी, यह विचार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका मूल्य आशर मूल्य 1,00,000/- के से अधिक है।

और जिसकी सं० पूर्व नं० 73/1 है तथा जो होम्मदेवन हल्ली, बेगूर होल्ली, बंगलूर है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), नपिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरक को भुगत है और यदि वह विस्थापन करने का कारण है कि यह मध्यमवर्गीय सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल में, अपने व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल के अन्तर्गत सहायक या उक्त सहायक लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) वी. ग्वालियर रियल्टी प्राइवेट म्यानुफैक्चरिंग (बोविला) कम्पनी लिमिटेड, बिरलाग्राम, नागडा 456331 (एम०पी०)।

(2) मेसर्स नालहान्न इंजीनियरिंग लिमिटेड 55, बुपेन चेम्बरल III फ्लोर दलाल स्ट्रीट, बम्बई (बयरींग 600, डिस्ट्रिक्ट गोर एस० की ओर) (अन्तरिती)

(2) मेसर्स सुशी ट्रेडिंग लिमिटेड 55, बुपेन चेम्बरल, III, फ्लोर, दलाल स्ट्रीट बम्बई (बयरींग) 40% डिस्ट्रिक्ट गोर एस० की ओर)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं०/1540/85 86, दिनांक 2-9-85), सम्पत्ति है, जिसका मापना 2 एकड़ और 20 गुन्टा (करीब 10180 स्क्वायर मीटर) और जिसमें डरेलिंग यूनिट्स और कोई स्ट्रक्चर है और जो पूर्व नं० 73/1, होम्मदेवनहल्ली, बेगूर होल्ली, बंगलूर सीत तालुक में स्थित है।

आर० भारद्वाज
असम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 8-5-1986

मोहर :

(1) राणी जेजुसमात्र प्रार्थना, वेद्विनाड दृष्ट, जिसके प्रतिनिधि श्री ए० आर० रामास्वामी वेद्विनाड हौन राणी संगमनैपुस्त, मद्रास 28।

(अन्तरक)

(2) मे.सं. चेद्विनाड प्लान्टेशन (प्राइवेट) लिमिटेड,
नं० 64 आर.मे.वि.नं. स्ट्रीट, मद्रास 1।

(अन्तरितो)

(3) कर्मचारी और कोई नेचरगव ।

(यह व्यक्ति जिसे,
अधिमो में संपत्ति है)

का यह सूचना जारी करके विशेष समिति के भावन के विश्व
कार्यवाहियों पर करण है।

जयल संपत्ति से शुद्धन में मलाज में भाग्य की वाक्य :-

(क) इस खुशना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों की अवधि या उसके भी व्यक्तियों पर चुनाव की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समझा जाती है, के अन्दर पूर्वोक्त व्यक्तियों को भेजनी व्यक्ति बनना;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध व्यक्ति को लिखित रूप में सूचना दी जायेगी कि वह सूचना के प्रकाशन के दिनांक से 15 दिनों के भीतर अपने हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कानूनी कार्यवाही करे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहाँ वही होगा, जहाँ उक्त अधिनियम में है।

अनसूची

(क) अंतरण में हार्ड कोशिका काय की बावत, उसका
अभिव्यक्ति के लक्ष्मी कर देने के अनुसार, और
वाचिक में कही कहने पर उसके करने से इतिहास
के अन्तः खरिद।

(क) एंटी डिमि बाय का कौन से देश या अन्य जास्तियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजार्थ अन्तर्गत धारा 95 का अधिनियम किया गया था या किया जाना चाहिए या किया जाने में सक्ति के लिए;

कृत अधिनियम, उक्त अधिनियम की धारा 269-न में अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्गीकृत हैं—

तारीख : 6-5-1986

मैहिर :

मोहर :

प्रमाण: भारत की एम. ए. ए. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निवेष्टा सं० पी०आर० नं० 4227—अतः मुझे, पी० डी०

खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 21658 वर्ग मीटर + मकान सुरेन्द्रनगर में है। तथा जो सर्वे नं० 2768 और 2802 ओ में स्थित हैं (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बठवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16 के अधीन 13 सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार - , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

12-106GI/86

- (1) ठफरसी मुलजी चेरीटेबल ट्रस्ट
ठाकरसी चेम्बर्स, डोमी स्ट्रीट, फोर्ट-बोम्बे।
(अन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मीफोटन ट्रेडर्स लिमिटेड, 10, डोमी स्ट्रीट,
फोर्ट बोम्बे।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 17617.95 वर्ग मीटर+3041.24 वर्ग मीटर-मकान क्षेत्रफल 431.80 वर्ग फीट सर्वे नं० 2768 और 2802 ओ सुरेन्द्रनगर में रजिस्ट्रेशन नं० 3201/13-9-1985।

पी० डी० खंडेलवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 30-4-1986
मोहर :

प्रूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4228-अतः मुझे,
पी० डी० खण्डेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस०-3एफ० पी० नं० 377-381 है तथा जो एच० पी० नं० 7ए जमीन 803 वर्ग गार्ड मदान में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-485

की पूर्ण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तःस्थिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शान्तिपूर्ण रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री शांतीनाथ चंडूवाल ग्राह माधुर्य टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नवरंगपुरा, सरदार पटेल हाउस के नजदीक नवरंगपुरा अहमदाबाद-9

(अन्तरक)

(2) मधुसूदन सींगमीक और अन्य के०/ओ० मधुसूदन वेजीटेशन प्रोडक्शंस कंपनी लिमिटेड गांधी भवन नालुका दड़भाम, जिला अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराई जा रही है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत या सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्ति को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 3 एफ० पी० नं० 377, 381-382-383 एच० पी० नं० 7 ए० जमीन 803 वर्ग गार्ड - 1 मकान रजिस्ट्रेशन नं० 10718/24-9-85 है।

पी० डी० खण्डेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-4-1986

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्रारूप आई.टी.एन. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4229--अतः मुझे
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन एक प्रधिकारी को यह दिशास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन अहमदाबाद टी० पी० एम-6
एफ० पी० नं० 325 है तथा जो क्षेत्रफल 700-65 वर्ग
मीटर-840 वर्ग गार्ड में स्थित है (और इसके उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार
अधिकारी के अधिनियम अहमदाबाद में रजिस्ट्रार अधि-
नियम 1903 (1908) का 16 धारा 24-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल का लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
साया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री नरेन्द्र बेनीभाई सुरती और अन्य
अमृत पार्क के पीछे लीकमलाल रोड के सामने
विकासगृह रोड पालडी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2) आनंद अपार्टमेंट्स ऑफर्स एसोसिएशन धनश्यामभाई
अम्बालाल पटेल 'पराश' पंचवटी अशोकपाडी
एलीसब्रीज अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

व्यक्ति

जमीन अहमदाबाद में टी० पी० एम-6 एफ० पी०
नं० 325 एफ० पी० नं० 4 सर्वे नं० 132/3+4 क्षेत्रफल
840 वर्ग गार्ड-700.65 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 10662/
24-9-1985

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

अज्ञात आई.टी.एच.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिकारी

आयकर, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4230—अतः मुझे
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन-उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस-3
एफ० पी० नं० 102 है तथा जो जमीन 425 वर्ग यार्ड +
मकान 325 वर्ग यार्ड में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) अधीन दिनांक 21-9-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समानान
प्रतिफल के लिए कब्जा करने के लिए न केवल यह विश्वास
करने का कारण है कि वस्तुपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से होने समान प्रतिफल का
पूरा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए इस
बाधा नवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
जिसे वे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से है कि किसी बाय की बाय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) शान्ताबेन डाकोरभाई 20 गोपीनाथ सोसायटी
वस्त्रापुर अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2) श्री हरीलाल मोहनलाल भरतकुमार हरीलाल
91/2 गीरधरगर शाहीबाग अहमदाबाद।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्ति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 15 एफ०
टी० नं० 112 जमीन क्षेत्रफल 425 वर्ग यार्ड मकान 325
वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 9894/21-9-1985।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-4-96

मोहर :

प्रमुख बाई, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन मकान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4231--अतः मुझे,

पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० टी पी० एस० 20 पर सर्वे
नं० 29 ए० 19+20/2 है तथा जो जमीन 592 वर्ग यार्ड+
मकान अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुए किसी कम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कुछ बंधों के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाब या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोध-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, बर्बाद :-

(1) श्रीमती वीरमती बेन सी० शाह श्रीकान्त
चंडूलाल शाह और अन्य (एच यू० एफ०
के० कर्ता) 15 मानेक वाग सोसायटी आंबावाडी
अहमदाबाद-15।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स प्रेमीयर्स ओटोमोबाइल्स लिमिटेड
92/93 मफर टावर 'एफ' कुफे परेड, कोलाबा,
बोम्बे

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही बर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 20 एफ०
पी० नं० 18 जमीन क्षेत्रफल 478 वर्ग मीटर मकान
रजिस्ट्रेशन नं० 10072/11-9-1985।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 30-4-1986

मोहर :

प्रथम भाग, टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

कर का आयकर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4232--प्रतः मुले;
पी० डी० खण्डेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच० पी० अहमदाबाद में टी० पी० एस० 3,
एफ० पी० नं० 592 है तथा जो जमीन क्षेत्रफल 791,
वर्ग मीटर+मकान 125 वर्ग मीटर में स्थित है (और
इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 12-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की जानकारी
प्राप्त करने के लिए अनुरोध की गई है और इसे यह विश्वास करने
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
सादा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति
विशेष में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की, यावत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उसके करने में रुचि
के लिए; और/या

(उ) ऐसी किसी बात या किसी रूप का अन्य कारिगरी
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रुचि
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बम्बई :-

(1) दयत चौमन लाल गुजरात कालेज के पीछे
अलीसम्रीज अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) सेजल कंस्ट्रक्शन कंपनी भागीदर- सतीशचंद्र
बी० शाह और अन्य नुतन सोसायटी के नामने
गीता बाग के नजदीक पालडी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाद 2-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिसका
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ज़ाबोहस्तकारी के साथ
विशेष में किए जा सकते हैं।

समाप्ति :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के बंधाव 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बंधाव में दिये
गये हैं।

अनुसूची

एच० पी० अहमदाबाद टी० पी० एस० 3- एफ० पी०
नं० 592 पैकी एच० पी० नं० 2 जमीन क्षेत्रफल 791, वर्ग
मीटर+मकान 125 वर्ग मीटर 3 रजिस्ट्रेशन नं०
10113/12-9-1985

पी० डी० खंडवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

इसके बाद टी. एन. इस...

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, हेंडलूम हाउस आश्रम रोड, कार्यालय अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4233-अतः मुझे

पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अ. जे. अहमदाबाद टी पी अ. 3 अफ. पी. नं. 592 है। तथा जो पैकी जमीन 773 वर्ग गार्ड मकान 188 वर्ग गार्ड में स्थित है

(और इसके उपाबंध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) अधिन 10-9-85

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उक्त प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उक्त प्रतिफल से ऐसे उक्त प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कि प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) उदयन चिन्माला
गुजराल फायनेंस पी० एल्लिगवीन अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

(2) अर्जित बनीफीषीररी ट्रस्ट ट्रस्टी मतीषचंद
बनीमाल शार नूतन सोमायरी के नाम से सीमा बाग के नजदीक चालड़ी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचे—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् व्यक्ति अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अ. पी. अहमदाबाद में स्थित टी पी अ. 3 अफ. पी. नं. 592 पैकी जमीन 773 वर्ग मीटर मकान 188 वर्ग मीटर अ. पी. नं. 3 रजिस्ट्रेशन नं. 9939/10-9-1985.

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 30-4-1986

मोहर:

प्ररूप अर्ध. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, हेन्डलूम हाउस आक्षम रोड, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4234--अतः मुझे,

पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
है और जिसकी सं. अलंकार धीयटर्स जवोरी चेम्बर्स रेल्वे स्टेशन
के सामने है तथा जो फालपुर अहमदाबाद में स्थित है

(और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आर. सक्षम प्राधिकारी
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) अधिन
20-8-85 अहमदाबाद

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रति-
फल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच होने
अंतरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनुक्रम
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया
गया है :—

(1) अलंकार अन्तरप्राइजीस
'नीशन' शाहीबाग
अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) प्रेक्षा शाप्यसअन्ड अपार्टमेंट आनर्स अपार्टमेंट अलंकार
धीयटर्स जवोरी चेम्बर्स रेल्वे स्टेशन के सामने फालपुर
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

धनुसूची

(क) अन्तरक से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अलंकार धीयटर्स जवोरी चेम्बर्स रेल्वे स्टेशन के सामने अहमदा-
बाद 37ईई दिनांक 20-8-85 को कारल किया।

पी. डी. खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 30-4-1986

मोहर:

प्रश्न नम्बर टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, हेन्डलूम हाऊस

माधव रोड, न्यायिक अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4611--अनः मुझे,

पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा सी० ए० नं० 93 सर्वे नं० 4609 है तथा जो लूनसीफूई नपसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद नपसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

13-106GI/86

(1) दीनशा दाबी चेरिटी ट्रस्ट ट्रस्टी श्री अर्च जमणदेजी पटेन लक्ष्मीबाइ मोटा फलीया नवसारी।
(अन्तरक)

(2) मजड़ा इस्टेट और फारनानम प्राइवेट लिमिटेड मर जे० जे० शोपींग सेन्टर पांच टाटडी नपसारी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्र

मह रजिस्ट्रार नवसारी रजिस्ट्रेशन दिनांक 17-9-85 को श्रीक्रीष्ण रजिस्ट्री किया है

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

प्रकट भाग-टी.एन.एच.-----

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4612-निर्देश: स्पे,

पी० डी० खंडेलवाल,

बाधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 और 92, उर्मी सोसायटी
में है तथा जो जेतलपुर बडोदा में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय 137ईई फाईल किया बडोदा में रजिस्ट्रेशन-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिनियम दिनांक
9-8-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम की व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
विषय के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बाधक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, किन्तु ये सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) राजेन्द्र प्रसिन्द कुमार किन्ना चंद भक्तावर
विल्डिंग कोलाबा बाम्बे-5

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद पद्मानाभ गुप्ता और अन्य मध्यम
ग्रेना दे। पिपिया राड, बाम्बे-400006

(अन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फॉर्म नं० 37ईई दिनांक 9-8-1985 का फाईल
विषय है। कुल कीमत रु० 1000000/-

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 15-4-1986

मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4613-अंतः मुझे,
पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का टुकड़ा और मकान एम आर०
नं० 134352 है तथा जो पादरा जिला बड़ोदा में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार जिला प्रशासन के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कभीसे नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वास्तव में करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य-
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) हार्जोपानो हवाबाई दाउदभाई 35, अरुणादय
सोसायटी अलकापुरी बड़ोदा।

(अन्तरक)

(2) निबर्टी फास्ट्रुक्चर और लीसिंग प्राइवेट लिमिटेड
अरुणादय सामावटी अलकापुरी बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विश्व
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निर्दिष्ट में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बड़ोदा रजिस्ट्रेशन दिनांक 29-11-
1985 को बिक्रीगत रजिस्ट्री दिया है। कुल कोमत रु०
5,00,000/-

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-6, अहमदाबाद

दिनांक: 15-4-1986

मोहर:

सक्षम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4614—अतः मुझे

पी० डी० खण्डेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जमोन का हिस्सा आर० एस०
नं० 621 है था जो गोरवा बड़ोदा में स्थित है। (और
इसने उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
2-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार;
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) छत्ताभाई बर्माभाई पटेल और अन्य टांम्बा खडको
गोरवा, बड़ोदा

(अन्तरक)

(2) भाग्यलक्ष्मी को० आ० हा० सोमायटी गोरवा
बड़ोदा।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बरोडा रजिस्ट्रेशन दिनांक 2-9-85
को ब्रीफीखत रजिस्ट्री विधा है। मूल्य कीमत
रु० 7,12,620/-

पी० डी० खण्डेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक: 15-4-1986

मोहर।

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस.-----

(1) मयमें संज्ञा संख्या डी.एन.एस. नं० 275/2
जी० आर० डी० सी० इस्टेट उमरगांव (गुजरात)
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आई.एल.एम० मिसबा और अन्य 275/2 जी०
आई० डी० सी० इस्टेट उमरगांव, गुजरात।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 4515-अप्र०, मुंबे,
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फाइल नं० 275/2 जी० आर० डी० सी०
इस्टेट है तथा जो उमरगांव, गुजरात में स्थित है (और
इससे उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम के कार्यालय 37ईई में फाइल किया
गया है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधिनियम दिनांक 5-8-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वाणिज्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37ईई दिनांक 5-8-1985 को निम्न
अक्षम प्राधिकारी को आफिस में फाइल किया बिक्री खत
की मूल कीमत रु० 650000/-।

पी० डी० खंडेलवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम अन्तर्गत :-

दिनांक: 15-4-1986
मोहर।

प्रत्यक्ष बाजार, टी. एन. एस.

(1) आर० बी० कन्स्ट्रक्शन भागीदार फरीदभाई सुशील भाई शाह और अन्य 35/209 विजय नगर नारायणपुरा अहमदाबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) हिंदुस्तान मोटर्स लिमिटेड 9/1 आर० नं० मुखर्जी रोड, कलकत्ता 709001

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4616-अतः मुझे

पी० डी० खंडेलवाल

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्रवाई करना है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आठवाँ और नवाँ मंजला एफ० पी० नं० एफ० पी० नं० 60 सर्वे तथा जो नं० 26 टी० पी० 2 गोरवा बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अभावपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अन्वयमान प्रतिफल से, ऐसे अन्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए एक पन्ना तथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के बाविल में कभी करने या सबसे पहले में सुविधा के लिए और/वा

(ख) एबी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को, जिसके भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता बाहिर या, जिसने के अधिनियम के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावपूर्वक संपत्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बड़ोदा रजिस्ट्रेशन दिनांक सितम्बर 1985 को ग्रीष्मकाल रजिस्ट्री किया मूल्य कीमत 821000/-

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-1, अहमदाबाद

नोट: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक: 15-4-1985

मोहर:

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

दिनांक : 15-4-1986
मोहर :

प्रकृत्य आई. टी. एड. एस.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4618--अतः मुझे
पी० डी० खंडेलवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 76 टी पी० एस० 2, एक० पी०
नं० 80 पाँचवा है तथा जो छठा और सातवाँ माला गाँव
गोरवा में स्थित है (और इनमें उभावद्ध अनुसूची में आर
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्दरस्त की गई है और इसके लिए विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और बन्दरस्त (बन्दरस्तों) और अन्तरिती
(बन्दरिस्तियों) के बीच ऐसे बन्दरस्त के लिए सब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूची से उक्त बन्दरस्त लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :--

(क) अनुसूची में हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन सूचना देने के बन्दरस्त के
बावत से कभी करों या बन्दरस्त सूचना में सूचना
के लिए; और/वा

(ख) किसी किसी बात या किसी नष्ट या नष्ट वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय बाण-कट्टा अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ बन्दरिस्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या वा किया जाना चाहिये या, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-क के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) आर० वो० कन्स्ट्रक्शन भागीदार फरीद भाई
सुशील दास शाह और अन्य 35-209 विजय
नगर नारनपुरा अहमदाबाद।

(2) हिन्दुस्तान मोर्टर्स लिमिटेड 9/1 आर० एन०
मुखर्जी रोड, कलकत्ता 700001

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके अपने-अपने सम्पत्ति के बन्दरस्त के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बन्दरस्त के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएँ :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या उसके समान्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बड़ोदा रजिस्ट्रेशन नं० 6274/1 10-
49-1985 श्रीक्रीकृत रजिस्ट्री किया है।

पी डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 15-4-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4619/अतः मुझे,
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन और इंडस्ट्रियल रोड, सर्वे नं०
196/1 और है तथा जो 156/2 संकेरडा सोम में स्थित
है और इसमें उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
6-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) भगवान भारी देवोदेमाई गठोर श्रीर अन्य
पुनम अपार्टमेंट वर्गवा वाम्बे।

(अन्तरक)

(2) पटोडीया इंडस्ट्रियल एजेंसी प्रायवेट लिमिटेड एन०
एच० 8, 10 संकेरडा बड़ोदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आता करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार बड़ोदा रजिस्ट्रेशन दिनांक 6-9-1985
को बीक्रीखन रजिस्ट्री दिया है।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

अहमदाबाद आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः उक्त उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—106GI/86

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) द पेटलाद टर्फी रेंद दाय वर्कम पेटलाद।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) से अधीन सूचना

(2) द पेटलाद कमर्शियल कॉ० ऑ० बैंक पेटलाद
शिला खेड़ा।

(अन्तरितो)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवृत्ति शुरू करता हूँ।

निदेश सं० पी० आर० 4620--अतः, मुझे
पी० डी० खंडेलवाल

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाहोप :-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
169-ग के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० मकान और जमीन पेटलाद में सर्वे नं०
875 है और 8886, और 887 में स्थित है (और इसमें
पावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय पेटलाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-9-
1985

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शाय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
अर्जित में अन्तरित रूप में अधिनियम नहीं किया गया है :-

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
शायित्व में कमी करने या सज्ज करने से अन्तरण
किए गए; और/या

अनुसूची

(ख) एता कि किसी आय का किसी धन या अन्य अस्तित्वों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया गया सोहिए का, अन्तरण में अन्तरण
के लिए

सब रजिस्ट्रार सूरत रजिस्ट्रेशन नं० 1640/27-9-1985
को अक्रोखन रजिस्ट्री किया है।

पी० डी० खंडेलवाल

सभ्य प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 30-4-1986

सोहर :

प्रारूप भाई.डी.एन.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4621--अतः मुझ,
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, गह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० मजूरगट के सं०

नं० 1401 से 1403 है तथा जो एक पी० नं० 2,13 हरी
नगर बंगला नं० 1, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण भिन्न में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) इसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तिका
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था. अमान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जयचंद भाई त्रिलोक चंद शेटी मजूरगेट सूरत।
(अन्तरक)

(2) दलीप एस मेहता, वीराट अपार्टमेंट आथवा गेट
सूरत।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पाद
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मह. रजिस्ट्रार सूरत रजिस्ट्रेशन नं० 2581/2-9-1985
बोझीखत रजिस्ट्री किया है।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

प्रकृष आर्डी टी. एन. एफ. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निवेश सं० पी० आर० नं० 4622-अतः, मुझे,
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन गांव अंडाडा तालुका अंकलेश्वर
है तथा जो जिला भरुच में स्थित है (और इनसे उपायुक्त
अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अंकलेश्वर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधिन 5-9-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

(1) महावीर श्रीगोताइजर श्री भाई लाल भाई
रणछोड़ पटेल भाई वडोदरा।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स महेण डबलोपर कंपनी (आर० एफ०)
गोरखा घरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार अंकलेश्वर रजिस्ट्रेशन नं० 2084/5-9-
1985 को त्रीक्रीखत रजिस्ट्री किया है।

पी० डी० खंडेलवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

प्राकृतिक आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 अप्रैल 1986

निदेश सं० पी० आर० नं० 4623--अतः मुझे,
पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत सूचना प्राधिकारी को यह विचार करने का
कारण है कि आयकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बंगला अथवा लाइन्स पर लाल बंगला
के पिछे है तथा जो बाईं अथवा नोंध नं० 167-बी० सूरत
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 6-9-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विचार करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का वस्तु
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (बन्धकों) और बन्धारती
(बन्धारिणीयों) के बीच ऐसे व्यवसाय के लिए एक नया नया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त व्यवसाय निधि से
रास्तरिक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :-

(क) व्यवसाय से हुए किसी नए की लागत, उक्त
व्यवसाय से वर्णित कटौत होने के अन्तरक के
वापस से कभी कटौत या उक्त व्यवसाय से वर्णित
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी नए या किसी नए या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रयोषनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, जिनके ने सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
य मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री जे० प्रमोदजी० देसाई व लाल बंगला के पिछे
अथवा लाइन्स सूरत।
(अन्तरक)

(2) भारत ठाकर दाग रोड, प्रभुदर्शन अपार्टमेंट
अथवा लाइन्स सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसके अन्तर्गत व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि कम से कम हो जाती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :- इसमें प्रकृत व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सब रजिस्ट्रार सूरत रजिस्ट्रेशन नं० 4683/6-9-1985
को त्रिकोणित रजिस्ट्री किया गया है।

पी० डी० खंडेलवाल

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 30-4-1986

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 30th April 1986

No. P/1561-Admn. III.—Consequent on his having been selected for appointment to the post of Assistant Vigilance Officer in Delhi Electric Supply Undertaking on deputation in the pay scale of Rs. 1000-1850 for a period of 3 years, the services of Shri Krishan Lal-II, a regular Section Officer of Union Public Service Commission, presently officiating as Desk Officer on ad-hoc basis, are placed at the disposal of the Delhi Electric Supply Undertaking with effect from the afternoon of 30th April, 1986 with instructions to report to Shri A. J. S. Sahney, Administrative Officer (General) D.E.S.U., Shakti Sadan, Shakti Marg, New Delhi immediately thereafter.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 22nd May 1986

No. 2/10/86-Admn.—K.m. Sushma Choudhary, IAS (J&K : 1969) who was on deputation in this Commission as Director is hereby relieved of her duties in this Commission with effect from 8th May, 1986 (afternoon) and her services are placed at the disposal of the State Govt. of Jammu and Kashmir with immediate effect.

MANOHAR LAL
Under Secy. (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 22nd May 1986

No. 1-27/81-CFSL/4254.—In continuation of notification No. 1-27/81-CFSL dated 16-10-85 the President is pleased to appoint Dr. S. K. Lahri, Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, C.B.I. New Delhi w.e.f. 1-4-1986 (FN) on ad-hoc basis for a further period of 6 months or till the post is filled upon regular basis, whichever is earlier.

D. P. BHALLA
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 17th May 1986

CORRIGENDUM

No. D.I. 2/81-Estt-I.—The word "under Article-67 of Chaudri's compilation of CSR Vol-I" appearing in this Directorate General Gazette Notification No. D.I. 2/81-Estt-I dated 8-4-86 is hereby deleted.

The 22nd May 1986

No. O.II.2204/86-Estt. I.—The President is pleased to appoint Dr. Satish Kumar Sinha as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy Commander) in the Central Reserve Police Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 6th May, 1986, till further orders.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st May 1986

No. E-16013(2)/14/82-Pers. J.—Consequent on his repatriation to parent State Cadre, Shri A. K. Singh, IPS (UP : 71) has relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, B.T.P.S., Badarpur, New Delhi w.e.f. the forenoon of 9th May, 1986.

Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF LABOUR)

(LABOUR BUREAU)

Shimla-4, the 2nd June 1986

No. 5/1/86-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 increased by five points to reach 643 (Six hundred forty three) for the month of April, 1986. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of April, 1986 works out to 782 (Seven hundred Eighty two).

VIJAY KUMAR
Dy Director
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 21st May 1986

No. ESC-1-10/4032.—General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint the following Inspector Controls to the post of Dy. Control Officers (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 w.e.f. 15-4-86 (FN) until further orders.

- (1) Shri N. K. Prasad
- (2) Shri M. V. Pradakshine
- (3) Shri S. Ramachandran
- (4) Shri P. S. N. Das
- (5) Shri R. N. Singh

They will be on probation for a period of 2 years.

S. D. IDGUNJI
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 19th May 1986

No. 7(60)1424.—In continuation to this Office Notification No. 7(60)/8277 dated 15-1-1986, the ad-hoc appointment of Shri V. M. Pardeshi as Assistant Chief Control Officer in the Scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 is extended for a period upto 10-4-1986.

He is further appointed in the same capacity and scale of pay, on ad-hoc basis, for the period from 13-4-1986 to 31-3-1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The 21st May 1986

No. C-1/1511.—Shri Jagdish Prasad, Inspector Control is appointed to officiate as Assistant Chief Control Officer in the Scale of Pay Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200, purely on ad-hoc basis, in the leave vacancy of Shri V. M. Pardeshi, with effect from 3-3-1986 to 7-4-1986.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 20th May 1986

No. Adm. I/8-132/86-87/5636.—The Accountant General (Audit)-I, A.P., Hyderabad is pleased to promote the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates noted against them until further orders.

Name	Date of assumption of charge
1. Sri M. M. Kesava Rao	15-05-1986 F.N.
2. Sri K. N. Narahari Rao	13-05-1986 A.N.

The promotions ordered above are without prejudice to the claims of their seniors, if any and are also subject to the result of the Writ Petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court. They should exercise the option within one month of their date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F. 7/1/80-Estt. (Pt. I) dt. 26-9-1981.

Sd./- ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General
Administration

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 12th May 1986

No. A-32013(6)/85-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 21-4-1986 and until further orders Shri J. K. Reddivya as Deputy Director (Designs) in the Weavers Service Centre, Hyderabad.

The 16th May 1986

No. A-12025(i)/3/83-Admn. III.—The President is pleased to appoint with effect from 21-4-1986 and until further orders Shri Rama Yadav as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Indian Institute of Handloom Technology, Salem.

INDIRA MANSINGH
Jt. Development Commissioner for Handlooms

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th May 1986

No. 2770B/A-19011(1-BRKT)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri T. Babu Ravindra Kumar to the post of Geologist (Tr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27-2-86, until further orders.

No. 2784B/A-19011(1-BC)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Binlab Chatterjee to the post of Geologist (Tr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 20-2-86 until further orders.

The 19th May 1986

No. 2906B/A-19012 (3-RPS)/85-19B.—Dr. Ram Prakash Sharma has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General,

GSI, on minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 12-3-1986, until further orders.

No. 2917B/A-19012(5-GRMR)/85-19B.—Shri G. R. M. Rao, Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 27th March, 1986, until further orders.

No. 2928B/A-19012(3-RA)/85-19B.—Shri Ral Ahmad has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 13-3-1986, until further orders.

No. 2876B/A-19012(3-BPK)/83-19B.—Miss B. P. Kamphade, Assistant Chemist, Geological Survey of India has been released on resignation with effect from 30-1-1986 (AN).

No. 2883B/A-19012(3-VKS)/85-19B.—Dr. V. K. Srivastava has been appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on minimum of the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 31-3-1986 until further orders.

No. 2894B/A-19012(3-SK)/85-19B.—Dr. Sanjay Kumar has been appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India by the Director General GSI, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 31-3-1986, until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel)

Calcutta-16, the 13th May 1986

No. 2728B/A-32013/3-D.Chem/85-19B.—The President is pleased to appoint Dr. D. Purushottam, Chemist (Sr.) of the Geological Survey of India on promotion as Director (Geochemistry) in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-2000/- in an officiating capacity with effect from the afternoon of 5-3-86, until further orders.

D. P. DHOUNDIAL
Sr. Dy. Director General (OP)
Geological Survey of India.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 20th May 1986

No. A.19011(160)/83-Estt.A.—Shri N. P. Murthy, Regional Controller of Mines (on ad-hoc basis), Indian Bureau of Mines has been reverted to substantive post of Deputy Controller of Mines w.e.f., 28th February, 1986 in the afternoon.

P. P. WADHI,
Administrative Officer
for Controller General
Indian Bureau of Mines.

Nagpur, the 20th May 1986

No. A-19011(121)/86-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri K. S. Raju, Deputy Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines Nagpur w.e.f., 7-5-1986 (AN).

No. A-19011(317)86-Estt.A.—Shri Y. K. Venkatesh, Assistant Director (Cost) Indian Bureau of Mines on his promotion to the post of Deputy Director (Cost) in the office of Directorate of Vanaspati, New Delhi hand over the charge in this department on 28-2-1986 (AN).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer,
for Contoller General,
Indian Bureau of Mines.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st May 1986

No. 4(89)/75-SI.—Shri M. P. Rai, Programme Executive, External Services Division, All India Radio, New Delhi retired from Government service on superannuation with effect from the afternoon of 30th April, 1986.

I. L. BHATIA
Dy. Director of Admn. (WL)
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 13th May 1986

No. A. 11013/2/86-M(F&S).—The President is pleased to appoint Dr. Naresh Chandra Sangal, in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Dentistry at the Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education and Research Pondicherry with effect from the 23rd March, 1984.

P. K. GHAI
Dy. Director Admn. (C&B)

New Delhi, the 20th May 1986

No. A. 12025/3/84-CGH JS.I. (Pt.).—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation. Sh. S. G. Gupte relinquished charge of the post of Administrative officer at Central Govt. Health Scheme, Calcutta on afternoon of the 28th February, 1986.

P. N. THAKUR
Dy. Director Admn. (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT DEPTT. OF AGRI. & CO-OPERATION DTE. OF PLANT PROTECTION QUARANTINE & STORAGE

Faridabad, the 21st May 1986

No. 7-4/86-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri K. K. Singh, as Surveillance Officer at Central Surveillance Station, Bilaspur in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-1200/- with effect from the afternoon of 28th April, 1986 in a temporary capacity until further orders.

S. P. KUTAR
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 5th April 1986

No. Ref : NFC/PA.V/2606/3277/263.—WHEREAS it was alleged that "Shri Mohd. Masihuddin, while employed as

Tradesman 'B', BBTP, NFC, was sanctioned leave upto 23-4-84. He has been remaining absent from duty unauthorisedly (without sanction of leave) from 24-4-84 onwards, and has not intimated his present address for correspondence and thereby committed an act of misconduct in term of Rule 3 (1) (ii) and 3 (i) (iii) of CCS (Conduct) Rules 1964".

AND WHEREAS the said Shri Mohd. Masihuddin was informed of the charge and of the action proposed to be taken against him vide Memo No. NFC/PA.V/2606/3277/1687 dated 15-1-85;

AND WHEREAS the said memorandum sent to his residential address at H. No. 22-3-34, Inside Yakutpura Darab Jung Lane, Hyderabad-500 023, has been returned undelivered by the postal authorities "Party house shifted without instructions, hence retd. to sender";

AND WHEREAS another copy of the memorandum was sent through Security staff to be delivered to him as the communication sent to him has been returned undelivered by the postal authorities;

AND WHEREAS the Security staff have reported that the memorandum could not be delivered to him as the house bearing H. No. 22-3-34, Inside Yakutpura was found vacated by the said Shri Mohd. Masihuddin over night without intimating the whereabouts to the neighbours even;

AND WHEREAS it was considered that an inquiry should be held into the charge and accordingly an Inquiry Officer was appointed vide order No. NFC/PA.V/2606/3277/1906 dated 11-4-85;

AND WHEREAS the Inquiry Officer submitted his report dated 15-2-86 stating that an ex-parte inquiry was conducted as it was not practicable to get the presence of Shri Mohd. Masihuddin and on the basis of the evidence available on record the charge as proved;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case, including the inquiry report dated 15-2-86 (copy enclosed) holds the charge as proved and has come to the conclusion that Shri Mohd. Masihuddin is not a fit person to be retained in service and that the penalty of removal from service may be imposed on the said Shri Mohd. Masihuddin;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause (b) to sub-rule (2) of Rule 12 of CCS (CC&A) Rules, 1965, read with DAE Order No. 2/2/82-Vig. dated 9-5-83, hereby removes the said Shri Mohd. Masihuddin from service with immediate effect.

J. V. R. PRASADA RAO
Deputy Chief Executive (A)

Bombay-5, the 15th May 1986

No. NPB/3(282)/85-Estt.I.—Director (Engg.). Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri D. L. Gavankar, a permanent Assistant Accountant of this Board as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on regular basis in the same Board with effect from the forenoon of March 21, 1986 until further orders.

No. NPB/3(282)/85-Estt.I.—Consequent on his transfer from Department of Atomic Energy Bombay, Shri K. G. Narayanan, Assistant Accounts Officer has assumed the charge of the post of Assistant Accounts Officer in Nuclear Power Board, Bombay with effect from the forenoon of March 25, 1986 until further orders.

No. NPB/3 (282) /85-Estt.I.—Director (Engg.). Nuclear Power Board, Bombay hereby appoints Shri C. K. Venugopalan, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Directorate of Estate Management as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on regular basis in this Board with effect from the forenoon of March 31, 1986, until further orders.

R. S. TAIPADE
Asstt. Personnel Officer

DEPARTMENT OF SPACE

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-17, the 9th May 1986

No. 020/1(15-1)/86-Est-I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates shown against their names, in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders:—

Sl. No.	Name	Designation	Date
1.	Shri Prakash. B. Balekundri	Sci/Engr. 'SB'	03-2-1986
2.	Kum. Uma Madapur	Sci/Sngr. 'SB'	05-7-1986

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-I

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi-110066, the 7th May 1986

No. A. 32014/5/85-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650—1200 on regular basis with effect from the date shown against each and until further orders:—

S. No.	Name	Date of appointment on regular basis
S/Shri		
1.	N. C. Gupta	28-03-1986
2.	R. S. Ahuja	27-03-1986

The 12th May 1986

No. A. 32014/7/84-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Technical Assistants in the Civil Aviation Department in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650—1200/- on regular basis with effect from the date shown against each and until further order:—

S. No.	Name	Date of appointment on regular basis
S/Shri		
1.	S. C. Nagpal	11-07-85
2.	K. L. Dhall	06-08-85
3.	J. S. Chandawar	29-07-85
4.	M. C. Mishra	31-10-85
5.	A. K. Bhowal	21-04-86

V. JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration

New Delhi, the 15th May 1986

No. A. 12025/1/84-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri L. Sadasivan to officiate as Airworthiness 15—106GI/86

Officer in the scale of Rs. 700-1300/- with effect from 21-4-86 (F. N.) until further orders.

Shri L. Sadasivan is posted in the Office of Director of Airworthiness, Hyderabad Airport, Hyderabad.

The 21st May 1986

No. A-32013/3/84-ES.—The President is pleased to appoint the following officers in the grade of Senior Airworthiness Officer in the pay scale of Rs. 1100-1600 on regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 21-2-1986 and until further orders.

S/Shri

1. S. S. Nat
2. S. S. Kumer
3. Anupam Bagchi
4. H. M. Phull
5. Mohd. Mustafa
6. Deba Prasana Ghose
7. L. M. Mathur
8. D. P. Ghosh

No. A-19011/1/85-ES.—The President is pleased to accept the request for voluntary retirement of Sh. T. K. Moltra, Controller of Airworthiness from Government service under FR 56(K) with effect from 20-2-1986 (A.N.).

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur, the 22nd May 1986

No. 10/86.—Shri P. L. Chikate, Administrative Officer of Central Excise, Group 'B' of Nagpur Collectorate retired voluntarily in terms of Rules 48(1)(a) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 from Govt. service on 30-4-1986 (A/N).

R. K. AUDJIM
Deputy Collector (P&E)

CENTRAL GROUND WATER BOARD

N.H. IV, Faridabad, the 22nd May 1986

No. 3-744/86-CH(Estt.).—Shri Braiesh Singh is appointed as Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 21-4-1986 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA
Chief Hydrogeologist & Member

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Planters Gulde & Supply Company Pvt. Ltd.*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 10468/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Planters Gulde & Supply Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Ganga-Sagar Rice Mills Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 18572/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Ganga Sagar Rice Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Phillip & Company Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 19108/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Phillip & Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Ajmerl Company Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 21612/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ajmerl Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Aladro Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 23842/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Aladro Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Glamour Publicity Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 24231/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Glamour Publicity Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Bengal Stationary Company Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 24284/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bengal Stationary Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Kanaipur Development Concern Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27343/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kanaipur Development Concern Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Ideal National Development Syndicate Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 14275/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Ideal National Development Syndicate Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Chowringhee Press Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27410/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chowringhee Press Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Bhaumik Agencies Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 27612/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Temple Nursing Home Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Temple Nursing Home Private Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 30587/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Temple Nursing Home Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 of
Adivasi Mines & Industry Limited*

Calcutta-20, the 16th May 1986

No. 30636/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Adivasi Mines & Industry Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

D. K. PAUL,

Addl. Registrar of Companies
West Bengal

z

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 16th May 1986

No. F.48-Ad(AT)/1986.—Shri D. K. Gupta, Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 5th May, 1986 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad hoc and will not bestow upon Shri D. K. Gupta, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA,
President

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1986

Ref. No. AC-31/R-II/Cal/86-87.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7C situated at Belvedere Road, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Cal under registration No. I 13605 dated 21-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Santanu Kumar Mitra,
"The Chartered Bank House",
Cemetery Road,
Cochin. (Transferor,
(2) 1. Goveidhan Nopany.
2. Smt. Suman Nopany.
3. Aloke Nopany.
all of No. 1A, D. L. Khan Road, Calcutta-27. (Transferee)
(3) Ground floor occupied by tenant Shri B. R. Bhandari and First floor occupied by M/s. M. L. Dalmia & Co. Ltd.
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 Cottahs land with two storeyed building at 7C, Belvedere Road, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 13605 of R.A. Cal of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 24-3-1986
Seal .

FORM FIVE**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th May 1985

No. M-1093/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. 1294/12 situated at Mission Compound, Saharanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under registration No. 1391 dated 9-10-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Y. Campbell S/o. Shri James G. Campbell
R/o 16, Pandit Pant Marg,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Balbir Singh Chandra,
R/o 1294/12, Mission Compound,
Saharanpur. (Transferee)
- (3) Balbir Singh Chandra
R/o 1294/12, Mission Compound, Saharanpur.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Balbir Singh Chandra
R/o 1294/12, Mission Compound, Saharanpur.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1294/12, Mission Compound, Saharanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 7-5-1986.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

106/282, K. ANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK,
KAPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 7th May 1985

No. M-1094/86-87.—Whereas, I,
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60, 61, 106 situated at Dadari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration officer at Dadari under registration No. 7863 date 25-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mahesh S/o. Shri Yadoo,
Village Hinauri, Dadari,
Ghaziabad.
(Transferor)
- (2) M/s. Hansayalaya Shakari,
Awash Samiti Ltd. Through Shri Suresh Kumar
Sharma S/o. Shri Mahar Chand R/o E-D N.P.F.
Coloney,
- (3) M/s Hansayalaya Shakari
Awash Samiti Ltd. Through Sh. Suresh Kumar
Sharma S/o Sh. Mahar Chand R/o E. D.
N.P.F. Coloney New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) M/s Hansayalaya Shakari
Awash Samiti Ltd. Through Sh. Suresh Kumar
Sharma S/o Sh. Mahar Chand R/o E. D.
N.P.F. Coloney New Delhi.
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 60, 61, 106, Dadari, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 7-5-1986.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. CHD/37EE/134A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House/Plot No. 326, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the I.T. Act, 1961, with the Competent Authority at Ludhiana on 30-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Col. N. K. Khanna (Retd.) S/o. Shri H. S. Khanna r/o H. No. 326, Sector 33A, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Narinder Kaur Anand w/o. S. Jarnail Singh Anand Smt. Maninder Kaur Anand w/o. S. Harbhajan Singh Anand Shri Balmeet Singh Anand s/o. Shri Jarnail Singh Anand and Master Gagandeep Singh Anand (Minor) s/o. Shri Harbhajan Singh Anand through his Natural guardian and Mother Smt. Maninder Kaur Anand r/o 662, Sector 33-B, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House/Plot No. 326, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as registered by the Competent Authority Ludhiana Under Section 269AB of the Income Tax Act.).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date : 12-5-1986.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. RAJ/3/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 79 Bigha, 10 Biswa situated at Village Mauza, Banur Teh. Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Kuldip Singh,
Sukhbinder Singh
Ss/o Shri Shamsheer Singh
R/o Banur Teh. Rajpura,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Surjeet & Surindra Investment Pvt. Ltd.
Radur Road, Yamunanagar,
Distt. Ambala,
through Shri Harminder Lal
S/o Shri Sant Ram
R/o Phillaur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 79 Bigha 10 Biswa at Village Mauza, Banur Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2148 of September, 1985 of the Registering Authority Rajpura).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 12-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 12th May 1986

Ref. No. LDH/320/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 40 Bigha 12 Biswa 15 Biswai, situated at Village Kanganwal, Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Beant Singh
S/o Shri Harbhajan Singh
R/o 659/1, Gurdev Nagar Ludhiana and
Shri Amar Raj Singh
S/o Shri Harbhajan Singh
R/o 800, Gurdev Nagar, Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s. Ludhiana Hemkunt Co-op. House Building
Sabha Ltd.
Regd. Office 402, Naya Mohalla,
Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40 Bigha 12 Biswas 15 Biswai, Village Manganwal Teh. & Distt. Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 9351 of September, 1985, of the Registering Authority, Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 12-5-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 8th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/7.—Whereas, I,
IASPAL SINGH, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in December, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
~~and/or~~

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—106G1/86

- (1) Gupta Carpets International,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Darbari Lal Anand
S/o Shri Pritam Dass Anand,
R/o Katra Sher Singh,
Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kothi No. 361, situated in Green Avenue, Amritsar as mentioned in sale deed No. 9811 dated 10-12-1985 of registering authority, Amritsar.

IASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/5.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot of land situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Kumar Sud
S/o Shri Jagan Nath Sud
Panjab & Sind Bank Building,
Phagwara. (Transferor)
- (2) Smt. Surjit Kaur
W/o Late Shri Sohan Singh,
Village Bharariwal,
Teh. & Distt. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 6 A, at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6097 dt. 3-9-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 7-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 8th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/6.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. . One property situated at Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Asha Devi
W/o Shri Bhim Sain,
Bhawani Nagar, Majitha Road,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Brij Mohan Bansal
S/o Shri Sant Ram,
H. No. 22, Gali No. 6,
Bhawani Nagar, Majitha Road,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 22, situated in Gali No. 6, Bhawani Nagar, Majitha Road, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 6553 dt. 17-9-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/9.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar in September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. K. Sehgal
S/o Shri Madan Lal Sehgal,
C/o State Bank of India,
Attari, Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh
S/o Late Shri Nawab Singh.
R/o Village Nadala,
Distt. Kapurthala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 678 dt. 27-9-85 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Amritsar

Date : 13-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/8.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sehgal
C/o State Bank of India, Attari,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Pritam Singh
S/o late Shri Nawab Singh,
Vill. Nadala, Distt. Kapurthala (Pb.) (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 7592 dated 18-10-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 13-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/11.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sehgal
C/o State Bank of India, Attari,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Miss Manjit Kaur
d/o Sh. Kartar Singh,
r/o Vill. Rajpur, Distt. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 7593 dated 18-10-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 13-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 13th May 1986

Ref. No. ASR/86-87/10.—Whereas, I, JASPAL SINGH, IRS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Ajnala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Amritsar on Oct. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri R. K. Sehgal S/o Sh. Madan Lal Sehgal
C/o State Bank of India, Attari,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Miss Manjit Kaur
d/o Shri Kartar Singh,
Vill. Rajpur Distt. Jalandhar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot situated at Ajnala Road, Development Scheme, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6785 dated 27-9-1985 of registering authority, Amritsar.

JASPAL SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 13-5-1986
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/371F/12/85-86.---Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 66 TC, situated at Tribune Colony, Ambala Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 37EE/12/85-86 dated 14-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Swatantra Kumar Goel
8 North Apsara, Palli Mill,
Bombay. (Transferor)
- (2) M/s. Gandbi Gupta Indl.
Finance & Hit Fund Co. Ltd.
through its Managing Director,
Smt. Promila Gandhi, Anant Building
Ambala Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 66 TC, Tribune Colony, Ambala Cantt. and as more mentioned in the agreement dated 9-7-85 registered with this office at Sr. No. 37EE/12/85-86 dated 14-9-1985.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/187/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

land measuring 41 kanals 16 marlas situated at Vill. Sukhrali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 2963 dated 3-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—106GI/86

- (1) Shri Raghu Nath
S/o Shri Udmi
r/o Sh. Sukhrali Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 41 kanals 16 marlas situated at village Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 2963 dated 3-9-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 8-5-1986
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq/GRG/189/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 21 kanals 4 marlas situated at Vill. Kartarpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3002 dated 4-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability, or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Nath S/o Sh. Kuriya
2. Shri Shahab Ram
3. Shri Rajinder Singh
ss/o Shri Ram Nath
r/o Kartarpuri.
(Transferor)
- (2) M/s. Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals 4 marlas situated at Kartarpuri and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3002 dated 4-9-85 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/190/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 39 kanals 1 marla situated at Vill. Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3010 on 5-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jai Lal,
2. Bhagwana,
3. Khajan Singh,
4. Shri Meer Singh,
ss/o Shri Rampat,
r/o vill. Sukhrali, Teh. Gurgaon. (Transferor)
(2) M/s Ansal Properties & Industries (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 39 kanals 1 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3010 dated 5-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/194/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 10 situated at Sector 18 Industrial Area, Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3108 at 9-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Indian Pipes (P) Ltd.,
17 Shivaji Marg (Najafgarh Road),
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Munjal Showa Ltd.,
B-109, Greater Kailash Part I,
New Delhi-110048.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 10 Sector 18 Industrial Area, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3108 dated 9-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/288/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 120 kanals 7 marlas situated at vill. Sukhrali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3381 on 12-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nathu s/o Smt. Chameli,
Kasturi wd/o Shri Room Kiran uraf Krishan,
d/o Smt. Bhim Kaur wd/o Mange,
s/o Yadu,
Smt. Gumano wd/o Shri Bhagwan,
Satbir, Kuldip & Rakesh,
r/o vill. Sukhrali.

(Transferor)

- (2) M/s Ansal Housing & Estate (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 120 kanals 7 marlas situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3381 dated 12-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 8th May 1986

Ref. No. IAC/Acq./GRG/347/85-86.—Whereas, I, B. L. KHATRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. land measuring 17 kanals situated at vill. Sukhrali Teh. Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon under Registration No. 3640 on 20-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash s/o Shri Mahipat,
r/o Vill. Sukhrali Teh. Gurgaon. (Transferor)
- (2) M/s Ansal Housing & Estate (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 17 kanals situated at vill. Sukhrali and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 3640 dated 20-9-1985 with the Sub Registrar, Gurgaon.

B. L. KHATRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 8-5-1986
Seal :

FORM IT.N.S._____

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 1/1986-87.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
Shed situated at Faeth Nagar, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Regis-
tration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer
at SRO, Vallabh Nagar, in September, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Ms/ Progressive Action Co.,
rep: by Mr. K. P. Sastri,
B-17, Industrial Estate,
Sanath Nagar, Hyderabad. (Transferor)
- (2) M/s Datla Electronics (P) Ltd.,
H. No. 6-3-1100/5, Somaiguda,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. C-57, total area of land 1905 sq. yds. at Faeth
Nagar, Hyderabad, registered by the SRO, Vallabh Nagar,
vide Document No. 3004/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 3/1986-87.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. House situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: said/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sultan Abdul Wahed and 3 others,
H. No. 2-2-11/1, Adikmet,
Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri Patanlal Agarwal and 3 others,
H. No. 21-7-226, Charkaman,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-6-374 (double storeyed building) constructed in an area of 987 sq. yds. at Road No. 2, Himayatnagar, Hyderabad, registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 1446/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th May 1986

Ref. No. 2/1986-87.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able Property having a fair market value exceeding
Rs. 5,00,000/- and bearing No.
House situated at Srinagar Colony, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer
at Khairatabad in September 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) 1. Dr. K. Ramchander Rao,
2. Mrs. K. Subadra Devi,
3. K. Veera Sudhakar Bose,
Nagarjuna Nagar Colony, Pumjagutta,
Hyderabad. (Transferor)
(2) 1. Shri S. Dasaratha Rama Reddy,
2. Smt. S. Seethamma,
H. No. 8-3-1104, Srinagar Colony,
Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-3-1104, measuring 715.5 sq. yds. situated at
Srinagar Colony, Hyderabad, registered by the SRO, Khairat-
abad vide Document No. 2393/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/9-85/1046.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, at 4, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Varistha Udyog Ltd.,
13-14th floor, Atma Ram House,
1-Tolstoy Marg, New New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Syal & Mr. Arjun Syal,
B-3/68, 1st floor, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor, flat No. 3, at 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi 856 sq. ft. area.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 14-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/9-85/1976.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing bearing No. A-4, Gulmohar Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sh. Raj Sachdeva s/o late Dr. R. N. Sachdeva, r/o J-17, Jangpura Extension, New Delhi through her General Attorney Shri Daljit Singh Shahpuri, r/o B-45, Greater Kailash, New Delhi. (Transferor)
- (1) Smt. Nari Devi Vaswani w/o Sh. A. S. Vaswani, r/o C-121, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front side portion on the ground floor, in property No. A-4, Gulmohar Park, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 14-5-1986
Seal :

FORM ITTS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-85/1081.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 412, No. 6, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at of the I.A.C. Acq. III New Delhi on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hindustan General Export House,
A-45, Naraina Industrial Area, Phase-II,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Computer-systems & Management
Consultants (P) Ltd. 102, 8A, Bahadur Shah
Zafar Marg, New Delhi-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 412, No. 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 14-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/10-85/1086.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-5/37, Safdarjung Development Area, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on Oct 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Prithi Pal Singh,
C/o Pratap Ice Factory,
Arjun Nagar, Adjoining Safdarjung Enclave,
New Delhi-29. (Transferor)
- (2) Sh. Sushil Kumar Vohra,
Smt. Pammi Vohra, 3, Sh. Tarun Vohra & Sh.
Pankaj Vohra, all r/o K-113, Hauz Khas,
New Delhi-16. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed residential House No. C-5/37, Safdarjung Development Area, New Delhi. Area 2,900 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Dated: 13-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-85/1201.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2228 and 2229/16, Plot No. 577, Block-K situated at Hardhian Singh Road, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1985. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Roop Narain, Shiv Narain,
Sham Narain sons of Jai Narain,
r/o 2229/16, Hardhian Singh Road,
New Delhi, (Transferor)
- (2) M/s. J. K. S. Properties (P) Ltd.,
2229/16, Hardhian Singh Road,
Karol Bagh, New Delhi,
through its Director Shri O. P. Kobli, (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2228 and 2229/16, measuring 183 sq. yds. built on plot No. 557, Block-K, Hardhian Singh Road, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III, ANGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th April 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/9-85/1200.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 32-B (2½ storeyed house) situated at Old Rajinder Nagar, Pusa Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Avtar Singh s/o Khazan Singh r/o 12A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi for self and G.A. Jaspal Singh and Jantar Singh sons of Khazan Singh residents of 12A/31, WEA, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Ram Piari w/o late Ram Lal r/o A-11/12, Malka Ganj, Delhi, Krishan Lal s/o Ram Lal and Pushpa Rani w/o Krishan Lal, resident of K-16, Model Town, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed house on Plot No. 32-B, Old Rajinder Nagar, Pusa Road, New Delhi—840 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 28-4-1986
Seal:

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/10-85/1240.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-93, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Anand Parkash
L-77/B, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Lal Sharma
B-93, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-93, Malviya Nagar, New Delhi,
(290 sq. yds.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Lt. Gen. N. Sen Gupta s/o
late Shri J. C. Sengupta r/o
C-18, Westend Colony, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Oswal s/o
Shri R. C. Oswal,
r/o 205, Surya Kiran Bldg.,
K. C. Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/10-85/1248.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C-18, situated at Westend Colony, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
New Delhi in October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely
19—106GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

C-18, Westend Colony, New Delhi measuring 500 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 5-5-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/10-85/1256.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing K-62, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kulbir Kaur w/o S. Paramjit Singh
r/o 8, Teen Murti Lane, through attorney
Kirpal Singh s/o S. Ranjit Singh
r/o F-7, Green Park, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. South Delhi Builders (P.) Ltd.,
U-17, Green Park Extn., New Delhi through its
Director Shri Aditya Pandit. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K-62, measuring 315 sq. yds. Green Park, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi New Delhi

Date : 2-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. I C/Acq-III/SR-III/10-85/1245.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 8 Block 'D' situated at Diplomatic Enclave Extn. Coop. House Bldg. Society Ltd., Westend Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Yashwant Kumar Sethi,
s/o Shri Ram Chandra Sethi,
r/o F-90, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Sudershan Kumar Kohli s/o
Sh. Dewan Chand Kohli and
2. Smt. Kum Kum Kohli w/o
w/o Sudershan Kumar Kohli
both r/o 14, Palam Marg, Vasant Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing residential plot No. 8 Block 'D' in the layout plan of Diplomatic Enclave Extension Coop. House Bldg. Society Ltd. now known as D-8, Westend Colony, New Delhi measuring 500 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 12th May 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/10-85/1246.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2½ storeyed house on plot No. C-70, situated at Masjid Moth, Resi. Scheme, Panchsheel Enclave, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in October 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. S. K. Bhattacharya, Chief Executive,
Management Structure & Systems (P.) Ltd.
Shiva Sagar Estate,
Dr. Annie Besant Road, Bombay-18. (Transferor)
- (2) Shri Jai Singh Mehta,
A-248, Defence Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house 2½ storeyed on plot No. C-70, Masjid Moth Residential Scheme known as Panchsheel Enclave, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 13th May 1986

Ref. No. JAC/Acq-III/SR-III/11-85/1272.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. 3, Block M situated at Green Park Extension, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sheela Devi widow of Sh. Harish Chand Gupta
2. Miss Pushpa Gupta d/o Sh. Harish Chand Gupta
3. Sh. Ramesh Gupta
4. Sh. Kailash Chand and
5. Sh. Vinod Gupta sons of Sh. Harish Chand Gupta
all r/o M-3, Green Park Extn., New Delhi.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Tarsem Chand Mittal
s/o Sh. Kundan Lal Mittal
2. Smt. Renu Mittal w/o Sh. Tarsem Chand Mittal
both r/o M-10, Green Park Extn., New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building with land underneath measuring 340 sq. yds. bearing plot No. 3, Block M, Green Park Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 13-5-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/11-85/2720.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-79, Inderpuri, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagdish Narain Datt son of
Shri Harnam Dass Datt r/o
C-79, Inderpuri, Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Mentha & Allied Product Pvt. Ltd.
1/10, Asaf Ali Road, New Delhi
through its managing Director
Shri Nand Lal Nanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-79, area measuring 500 sq. yds. situated in Inderpuri Delhi, Khasra No. 1651, area of village Naraina, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Pune, the 20th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/11-85/2730.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 11 on Road No. 49 situated at Punjabi Bagh, Madipur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sh. Tarlochan Singh Rai
s/o Sh. Tara Singh
r/o 34, Greater Kailash No. 1,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudesh Batra w/o
Sh. Man Mohan Batra r/o
8/52, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 11 on Road No. 49, measuring 555.55 sq. yds. situated in the colony known as Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM IITS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2071.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. GF-10 on Ground floor in 7 Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Arora Contractors & Builders (P.) Ltd.
GL-6, Ansal Bhawan,
16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Pearl Flats (India) Ltd.,
F-44, Bhagat Singh Market,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. GF-10 on Ground floor in 7 Tolstoy Marg, New Delhi. Area 698 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2079.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

27 Curzon Road (Now called as Kasturba Gandhi Marg), situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred the I.T. Act 1961 in the office of the registering officer at IAC Range, New Delhi on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—106GI/86

- (1) M/s. Mahajan Woollens Pvt. Ltd.
E-1 & 2, NDSE-II Mahajan House,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Mahajan Estate & Investments, Pvt. Ltd.
4830/24 Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27 Curzo Road (Now called as Kasturba Gandhi Marg),
New Delhi. Area 5735 Sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-86
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/985/2080.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 12 on 7th Floor in Vijaya Building, situated at 17 Barakhamba Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn Range, New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Gujral Estates Pvt. Ltd.
17 Barakhamba Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. (Mrs.) Anuradha Soi w/o
Dr. Sunil Kumar Soi, through General Power of Attorney Holder Sh : Chaman Lal
A-1/4 Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 12 on 7th Floor in 'Vijaya' Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi. Area 570.06 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bijoyananda Patnaik,
3, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Decent Properties Pvt. Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi,

[Signature]

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 2nd May 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2083.—Whereas I,
P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 7 Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road,
situated at 4, Prithvi Raj Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office
of the registering Officer at I.T. Act, 1961 IAC Range I
New Delhi on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road,
4, Prithvi Raj Road, New Delhi. Area 1532 Sq. yards.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 2-5-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2091.—Whereas I R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S-119, Greater Kailash-II (1st Floor) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Range-1 New Delhi on Sept. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rakesh Jain (HUF) & S. P. Aggarwal
S-150, Greater Kailash-II &
E-482, Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Smt. Santosh Verma w/o Late
Sh. S. P. Verma r/o at present S-119,
Greater Kailash-II, New Delhi.
(Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S-119, Greater Kailash-II (1st floor).
Area 1800 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Dinesh Singh (HUF)
1, Thaygraja Marg, New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Rewneg Vinayog Private Ltd.,
1, Thaygraja Marg, New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/9-85/2093.—Whereas I,
R. P. RAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 'A' on 3rd floor, Girdhari Lal Apartments situated
at 28, Ferozeshah Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act 1961
in the office of Registering Officer at IAC Range
New Delhi on Sept. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires first
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' on 3rd floor and one open Car Parking Place
in Multi Storeyed Housing Scheme (aia) Girdhari Lal Appart-
ments, 28 Ferozeshah Road, New Delhi,
Area 1600 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/9-85/2109.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1208 to 1215 in Davika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and fully more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Range-I New Delhi in September 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Pragati Construction Co.
Devika Tower 4th Floor Sheetla House,
73-74 Nehru Place, New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Church of North India Trust Association,
16, Pandit Pant Marg, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1208 to 1215 in Davika Tower 6 Nehru Place,
New Delhi.
Area 3920 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bijayananda Patnaik,
3, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Decent Builders Private Ltd.,
22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/2-86/2771.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 7, Block No. 2 known as 3 situated at Aurangzeb Road, 4 Prithvi Raj Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at I.T. Act 1961 IAC Range I New Delhi on February 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Block No. 2, known as 3, Aurangzeb Road, New Delhi, 4, Prithvi Raj Road, New Delhi. Area of plot : 1539 Sq. Yards.

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Virchand Shah

(Transferor)

(2) Smt. Jayaben Visanji Maru

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
BOMBAY

Bombay, the 6th May 1986

Ref. No. AR.II/37EE/25006/85-86.—Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. A, Yeshwant Nagar, Plot No. 70, 53 SV Road, Andheri (West), Bombay-58 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-9-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been disclosed in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. A, Yashwant Nagar, Plot No. 70 53, S. V. Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/25006/85-86 on 20-9-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri L. N. Kalra

(Transferor)

(2) Shri S. N. Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 10, Shree Natraj H.S. 1st R. B. Mehta Road, Chhatkopar (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/24403/85-86 on 1-9-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—106G1/86Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Ramesh Chandra Tulyani

(Transferor)

(2) M/s. Foto Art Services.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. AR-III/37EE/23999/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 24, Shop No. 8, Yadukul Co-op. Hsg. Sct. Postal Colony Rd. Near Flyover, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which are or may be which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Shop No. 8, Yadukul Co-op. Hsg. Sct. Postal Colony Road, Near Flyover, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been entered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37E/23999/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Indo Leather Works,

(Transferor)

(2) Mrs. Chitra Sudhir Mohandas

(Transferee)
(Promoter)

Seal Footwear Ind (P) Ltd.

(Proposed)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. AR-III/37EE/24570/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Six units on the 1st fl. Guru Gobind Singh Indl. Estate, Off Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Six units on first fl. Guru Gobindsingh Indl. Premises Co-op. Sect. Ltd. Western Express Highway, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-III/37EE/24570/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Mahendra K. Mehta & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Indermal Nandramji Halkara & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. ARIV/37EE/22354/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. Plot of land in Village Dahisar, Taluka Borivli Survey No. 286, Hissa No. 1A, City Survey No. 594 (p), Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing Survey No. 286 Hissa No. 1A, City Survey No. 594(p), at Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/22354/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Shyamkumbarben G. Tanchamatia & Ors.
(Transferor)
(2) M/s. Dwarkesh Enterprise.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. ARIV/37EE/21990/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot bearing S. No. 15, Hissa No. 7(p) CTS No. 1338(p) Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Not to any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot bearing S. No. 15, Hissa No. 7(p) CTS No. 1338(p)
Village Dahisar, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/12990/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 12-5-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Ganesh Builders.

(Transferor)

(2) L. C. Thakker.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/22076/85-86 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 208, H. No. 10(Pt) C.T.S. No. 2243, 2244 at Eksar Village, Borivli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing S. No. 208, H. No. 10(Pt) C.T.S. No. 2243, 2244 at Eksar Village, Borivli

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/22076/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. D. Mhatre & Ors.

(Transferor)

(2) Vishal Constructions.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The words and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/21997/85-86.—Whereas, I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
CTS No. 1623-1626-1627-1646-1648-1652 and 1657-1659,
1663-1669, 1682, 1703 Near Link Road, Village Eksar
Borivli (W).
(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property, as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

CTS No. 1623-25, 26-27, 1646, 1648-1652 1657-1659-1663
1683 1703 near Link Road, Village Eksar Borivli (W).

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21997/85-86
on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. A. C. Agarwal & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Manju L. Kukreja

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 C)

THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Ref. No. ARIV/37EE/22149/85-86.—Whereas, I
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot at Shimpoli village EP No. 695, FPS III of Borivli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are
as defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Shimpoli Village EP No. 695, FPS III of Borivli.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/22149/85-86
on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 12-5-1986
Seal:

FORM ITNS—

(1) J. S. Audyogic Utpadak Socy Ltd.

(Transferor)

(2) M/s. Commercial Const. Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 12th May 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. ARIV/37EE/22580/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing S. No. 41, Village Charkop, Kandivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—106GI/86

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 41, (pt) Village Charkop, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. ARIV/37EE/22580/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12-5-1986
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jai Vijay Builders.

(Transferor)

(2) Mr. V. T. Balwani.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-IV
BOMBAY**

Bombay, the 12th May 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/23192/85-86.—Whereas, I, **LAXMAN DAS**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 104 to 110 on the first floor of Jai Shreeek Ranchod Dham at Lokmanya Tilak Road, Dahisar (W), Bombay 68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 104 to 110 on the first floor of Jai Shreeek Ranchod Dham at Lokmanya Tilak Road, Dahisar (W), Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37EE/23192/85-86 on 1-9-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date : 12-5-1986
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) Mr. S. Subramanyan,
No. 9, Nyanan St.,
Abhiramappam, Madras-18.

(Transferor)

(2) Mr. Syed Abdul Cader,
No. 1, Lakshmi St.,
Kilpauk Madras-600 010.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 6/Sept-85.—Whereas, I,

HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 1, New Tank St., Nungambakkam, situated Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Thousandlights/Docfl No. 429/85 on September 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 1, New Tank St. Nungambakkam, Madras-34 Thousandlights/Doc. No. 429/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006.

Date : 5-5-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 8/Sept.85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, Pycrofts Garden Road situated at Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Thousandlights/Doc No. 463/85 on September 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Laila Rahman, Mr. K. Fazlur Rahman,
8, Pycrofts Garden Road, Madras-6.
(Transferor)
- (2) Mrs. T. Zarina Begum 10, T. Rahman Sahib St.,
Ambur, N. A. Dist.
(Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 8, Pycrofts Garden Road, Madras-6. Thousandlights/Doc. No. 463/85.
Date : 5-5-86

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/
Madras-600 006.

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 15th April 1986

Ref. No. 79/Sept./85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. O'Valley Village, Gudalur Taluk, situated at NILGIRIS, "BURNSIDE ESTATE" (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at GUDALUR (NILGIRIS) Doc. No. 2163/85 on Sep 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Beatrice Wapshare,
Compton Estate, NADUVATTAM P.O.
NILGIRIS.

(Transferor)

- (2) Sri M. Sivashanmugam, S/o Maruthai Pillai,
R. 76, ANNA NAGAR, MADRAS.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING :—
ESTATE :—O'Valley Village, Gudalur Taluk, NILGIRIS.
"BURNSIDE ESTATE".
Gudalur/NILGIRIS/DOC. No. 2163/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C).

Date : 15-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 124/Sep./85.—Whereas, I, SRI HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. FLAT (III Floor), Door No. 826, Anna Salai, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at MADRAS SOUTH/Doc. No. 2752/85 on Sep 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Messrs. Tarapore and Co.,
partnership firm rep. by J. H. Tarapore,
Dhun Building, 327, Anna Salai, MADRAS-2.

(Transferor)

- (2) M/s. Polyole Fins Industries Limited,
Rep. by P. J. Deesai, Mafatlal Centre
Nairman Point, BOMBAY-400 021.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FLAT (III floor) DOOR No. 826, ANNA SALAI,
MADRAS.
MADRAS SOUTH/Doc. No. 2752/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C).

Date : 5-5-1986
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 13/Sept./85—Whereas, I,
SRI HARDAYAL SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
19A, Pillayar Koil St., Alwarpet,
situated at MADRAS T.S. No. 3756/1, Block No. 74,
Mylapore Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
MADRAS South/Doc. No. 2868/85 on Sep. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s Gannon Dunkerly and Company Madras
Limited, FOR Sri Srinivasan,
19A, Pillaiyar Koil St., Alwarpet,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri G. Viswanathan,
10, Ammani Ammal St., Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site No. 10-A, Pillayar Koil St., Alwarpet, Madras,
MADRAS SOUTH/Doc. No. 2868/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C).

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600)006, the 15th April 1986

Ref. No. 208/Sept/85.—Whereas, I, SRI HARDAYAL SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. NEW WARD No. 19, T.S. Ward No. 8, situated at PERIASAMY ROAD, R.S. PURAM, COIMBATORE situated at COIMBATORE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at COIMBATORE/Doc. No. 4278/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. K. Paravathy A. Menon, W/o Late Lt. M. Arvindakshan, K. M. Shankar, S/o Late Lt. M. Arvindakshan, Both residing at 83/2-D 4th Main, 15th Cross Margoosa Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Sri K. Parthasarathy, S/o Kuppusamy, Iyengar, residing at Old D. No. 89, New No. 207, Thiruvengatasamy Road, R.S. Puram, COIMBATORE Town, Smt. B. Virupakshi, S/o S. S. Balaunniappa Chettiar, residing at D. No. 243, Raja St., Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING :—Old ward No. 8, New Ward No. 19, T.S. Ward No. 8 R.S. Puram, Periasamy Road, COIMBATORE.
Coimbatore/Doc. No. 4278/85.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras (I/C).

Date : 15-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 6th May 1986

Ref. No. 240/Sep./85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 602, Mount Road, situated at Madras-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 867/85 on Sep. 85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—106GT/86

- (1) M/s. Gemini Pictures Circuit Pvt. Ltd.,
602, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

- (2) M/s. Gemini Estate Development Corpn.,
No. 601, Mount Road, Madras-600 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

NON VACANT LAND Building Site) in premises—No.
602, Mount Road, Madras-6.
Madras Central/Doc. No. 867/85.

HARDAYAL SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, (I/C) Madras

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM NO. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th May 1986

Ref. No. 241/Sept/85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 288, Mewbrays Road, situated at Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 840/85 on Sep. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated in the said parties has not been truly stated in the said registration of the said property with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of cash, money or other assets which have not been disclosed which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lakshmi Pattama,
and Sri B. P. Sarvotham, Sri S. P.
Ramanadasimha,
S.N. Rajswari, S.P. Triveni and others,
160, 2/2, 1/2, 1/2, 1/2, 1/2, 1/2, 1/2, 1/2,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri A. Ramesh, A. Vijayalakshmi,
A. Supriya,
12, Adyar Club Gate Road, MADRAS-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property should be made in writing to the undersigned :—

by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;

or by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING No. 288, Mewbrays Road,
MADRAS-18.

MADRAS CENTRAL/Doc. No. 840/85.

HARDAYAL SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/C) Madras.

Date : 6-5-1986
Sd/-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

COVER PAGE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 7th May 1986

Ref. No. 37/Sep./85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

R.S. No. No. 66/2A and 68

situated at Madras

(and more fully described in the instrument referred to here),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (the

1908) in the Office of the Registering Officer at

Dadagapatti (Dec. No. 2629/85)

on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the above said property and I have reason to

believe that the fair market value of the property exceeds

the apparent consideration referred to above by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer has not been truly stated in the

instrument of transfer and that the said instrument of

transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the income-tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the transfer of money or other assets which ought to be disclosed by the transferor for the purpose of the Income-tax Act, 1961 (11 of 1961) or the Income-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) **Sri M. Subbarayan**,
S/o. Palaniel Gounder
Madhavaram, Gurusampalayam,
Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) **Sri M. Chinnu A.D.E.**
Tamil Nadu Electricity Board,
17, Chokkappa Padaiyachi,
Sankar, Aattaiyapatti,
Salem Taluk and Dist.

(Transferee)

Objecting to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(1) The said notice shall be valid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, if the period expires later;

(2) Any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ref. No. 37/Sep./85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**,
being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

HARDAYAL SINGH,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (I/C) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ref. No. 37-5-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006**

MADRAS-600006, the 30th April 1986

(1) Sri T. K. Singaram,
S/o T. S. Kachapikesa Mudaliar and
Mrs. Ravichandrika Badrinath
W/o K. Badrinath,
No. 38, Nowroji Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Rev. Fr. Jose Palatty,
Plot No. 4, 68-A, Madurai Pillai St.,
Madras-23.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**

Ref No. 102/September/85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 17/1, Block No. 30
situated at Aynavaram Village, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Anna Nagar (Doc. No. 3463/85)
on 19-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Aynavaram Village, Madras in T.S. No. 17/1,
Block No. 30.
(Doc. No. 3463/85).

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 30-4-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 116/September/85.—Whereas, I, **HARDAYAL SINGH**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 7, Venkatachala Mudali Street, Park Town, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 511.85) on 9-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. B. Susila,
2. Vijayalakshmi,
3. Mahalakshmi,
No. 3, Chinnathambi Street,
Salavanpet, Vellore,
N. A. Dist.

(Transferor)

- (2) A. S. Aboo Thahir,
53, Devaraja Mudali Street,
Madras-600003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 7, Venkatachala Mudali Park Town, Madras.
Street, Park Town, Madras.

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 30-4-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 117/September/85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 196, N.S.C. Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at J.S.R.II, North Madras (Doc. No. 2691/85) on 16-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

- (1) E. Md. Ali Maraiyar and Other,
11, Desan Thaikal Street,
Parangipettai.

(Transferor)

- (2) Md. Shawkathulla and 5 Others,
No. 6, Avathoon Road,
Kalmandapam,
Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 196, N.S.C. Bose Road,
Madras-1.
(Doc. No. 2696/85).

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 5-5-1986
Seal :

FORM ITN-5

(1) Mrs. L. B. Sujathamma & another
78, South West Boag Road,
T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. V. Roop Mohan and another
17, Parathasarathipuram Street,
Madras-17.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-600006**

Madras-600 006, the 13th May 1986

Ref. No. 140/Sep.85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, Land and Building No. 17 Parthasarathipuram Street situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at T. Nagar on Sep. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 17, Parathasarathipuram St., Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 1067/85).

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Date : 13-5-1986
Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXMadras-600 00, the 13th May 1986
MADRAS-600006

Madras-600006, the 30th April 1986

Ref. No. 33/Sep'85.—Whereas, I,
HARDAYAL SINGH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
'Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
155, Arcot Road Vadapalani situated at Madras-26
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Kodambakkam Doc. 3054 on Sep. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by the more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri B. S. Ranga,
10, Judge Jambulinga Mudaliar Street,
Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) R. K. Colour Film Laboratory P. Ltd.,
155, Arcot Road, Vadapalani,
Madras-26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 day from the date
of the publication of the notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 155, Arcot Road, Vadapalani,
Madras-26.
(Kodambakkam Doc. No. 3054).

HARDAYAL SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 13-5-1986
Seal;

FORM FINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th May 1986

C.R. No. 62/DR-197/37EE/84-85/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 68 situated at Kandepar Ponda (Survey No. 68), Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 269/8485 dated 12-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—106GI/86

(1) R. K. Kamat & Others,
Borkar Road, Panjim, Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Sindhu Sagar Estate Agency,
Ponda-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. D. 269/84-85 Dated 12-8-85)
Property known as 'Salam Bhat' also 'Taman Gudo' and 'Ghorbhat' measuring 26.0075 sq. mts. R.R. Survey No. 68 at Kandepara Village, Ponda, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE-I,
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 8th May 1986

C.R. No. DR-824/37EE/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 318 situated at Panjim-Goa Plot No. 318 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Regn. No. 501/85-86 dated 2-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Joao Filipe Ferreira & Six Others
C/o Kamat Real Estate Indira Apartments,
Albuquerque Road,
Panjim-Goa.

(Transferor)

- (2) Kamat Real Estates,
F/2 Indira Apartments,
Coafano Albuquerque Road,
Panjim-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 501/85-86 Dated 2-9-1985)
Ground floor 620 sq. mts., built up area and 1st floor 330 sq. mts., of Built up area. Plot No. 318 situated at Panjim-Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
MANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-830/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, situated at Bicholim-Goa (Shop No. 3) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn No. 505/85-86 dated 5-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hanuman Lawande
Hanuman Lawandes Associates
Marchon Building 2nd floor
Opp. Lohia Maidan Margao Goa. (Transferor)
- (2) Kum. Shivdutt Anand Shetye
Near Shanta Durga High School
Bicholim Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 505/85-86 dated 5-9-85)
Shop No. 3 Almira Apartments the Ground floor of the Building under Construction situated at Bicholim Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-831/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey under chatta No. 276 & 277, situated at Panjim Goa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 506/85-86 dated 5-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) W/s. Sousa Towers & Owners
Dr. Domingos Roque de Sousa Road,
Panjim Goa.

(Transferor)

- (2) Sri Govind Keshav Dhuri
behind Zubeida Bakery
H. No. E-634 Panjim Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 506/85-86 dated 5-9-85)
Shop No. A-1 situated at Panjim Goa measuring 120 sq. Mts. on the Ground floor, vide Survey No. 276 & 277.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-843/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 21 Grant Road, situated at Grant Road Bangalore (14 Flats), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 513/85-86 dated 5-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Cymia Exports Pvt. Ltd.
135 Dr. Annie Besant Road,
Worli Bombay-18.

(Transferor)

(2) M/s. Vora Exports Pvt. Ltd.
135 Dr. Annie Besant Road
Worli Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 573/85-86 dated 5-9-85)
14 Flats and covered parking space in Garden Apartment complex at No. 21 Grant Road, Bangalore Measuring Total 19440 super built-up area, space of 50 Nos. 4020 sq. mts. (Garden).

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-862/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot of land Survey No. 108 & 120 situated at Ithas Goa plots of land as better, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore under Regn. No. 481/85-86 dated 2-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Flores Jose Agnelo Vaz
near the Church, Santa-Cruz,
Ilhas Goa. (Transferor)
- (2) M/s. S. S. Real Estate Developers,
Ilhas Goa,
Santa Cruz, . (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 481/85-86 dated 2-9-85)
Plots or portion of land vide Survey No. 108 & 120 situated at Ilhas Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIAOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1986

C.R. No. 62/DR-877/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Plot No. D situated at Teleigao Goa (plot No. D), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore Regn. No. 539/85-86 dated 5-9-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Fermino E Pereira & his wife
Kerant Caranzalem Goa.
(Transferor)

(2) Mr. Ronald Mascarenhas, 33 lake-view, Miramar
Panjim Goa.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn. 539/85-86 dated 5-9-85)
The plot No. D situated at St. Iner village Teleigao (measuring 2839 sq. mts.).

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 8th May 1986

C.R. No. 62/R-1787/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 73, situated at Hommadevanhally Begur Hobli, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Bangalore vide Registration No. 1540/85-86 dated 2-9-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Gwalior Rayon silk, mdg. (Wvg.) Co. Ltd.
Birlagram, Nagda-456331 (MP).
(Transferor)
- (2) M/s Nilkanth Engineering Ltd.,
55 Bhupen Chambers,
III floor, Dalal Street,
Bombay (Buying 60% district Share as a co-owner)
M/s Sushree Trading Ltd.,
55 Bhupen Chambers, III floor, Dalal Street,
Bombay (Buying 40% district share as a co-owner).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1540/85-86 dated 2-9-1985)

Land measuring 2 acres and 20 Guntas (app. 10180 sq. mtrs.) with dwelling units and other structures at Survey No. 73/1, Hommadevanhally, Begur Hobli, Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 8-5-1986
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

C.R. No. 62/48444/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. Nos. 38 to 43, 24/1, 24/2, 25/1 to 25/3 and 26/1, situated at "Seshagiri Estate", in Bettakeri village, Ammathi Nad, South Coorg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Virajpet on 4-9-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
25—106G1/86

(1) Rani Meyyammai Achi of Chettinad Trust, repd., by Sri A. R. Ramaswamy, Chettinad House, Rajah Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

(2) M/s. Chettinad Plantations P. Ltd., No. 64, Armenian Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(3) Staff & Some labourers.

(Persons in occupation of the property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 378/85-86 dated 4-9-85)
Property bearing Sy. Nos. 38 to 43, 24/1, 24/2, 25/1 to 25/3 and 26/1, "Seshagiri Estate", in Bettakere Village, Ammathi Nad, South Coorg.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1986

C.R. No. 62/48646/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 72, (Sub No. 72/1-3), situated at Cunningham Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at/with the competent authority under Section 269AB, in his office at Gandhinagar on 27-9-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bina Malhotra, by her GPA,
P. N. Malhotra, No. 46,
Shalimar Apartments,
3, Hayes Road Cross,
Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Bhupath Rai C. Shah,
Nitin C. Shah,
Ranjeet C. Shah,
Sandeep C. Shah
12, V Main Road,
Cross, Ganadhi Nagar,
Bangalore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1849/85-86 dated 27-9-85)
Property bearing No. 72, (Sub No. 72/1-3), Cunningham Road, Bangalore.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

P.R. No. 4227 Acq.23/1/86-87.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Land adm. 20658 sq. mtr.—Bldg. at S'nagar S. No. 2768
and 2802A
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Office at/with the
competent authority under Section 269AB, in his office at
at Wadhwan on 13-9-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Thakershahi Mulji Charitable Trust,
Thakershahi Chambers, Homy Street,
Fort, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Laxmi Cotton Traders Ltd.,
10, Homy Street, Fort,
Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 17617.95 sq. mtr. + 3041.24 sq. mtr.
+ Bldg. Adm. 431.80 sq. ft S. No.2768 and 2802A, Euren-
dranagar R. No. 3201 dated 13-9-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4228 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 377-381 S.P. No. 7A. Land 803 sq. yd. + Bldg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 24-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shantilal Chandulal Shah,
Madhurya, Opp. Tele. Exchange, Navrangpura,
Nr. Sardar Patel Hall, Navrangpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Madhusudan Ceramics & Ors.
C/o Madhusudan Vegetable Products Coy. Ltd.,
Village : Rakgial Tal. Dahegam,
Distt. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 377-381-382-383 S.P. No. 7A Land 803 sq. yd. + Bldg. R. No. 10718 dated 24-9-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4229 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land at A'bad T.P.S. 6 F.P. No. 325 Adm. 700-55 sq mtr. = 840 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 24-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

(1) Narendra Venibhai Surati & Ors.
Behind Amrut Park,
Opp : Trikamlal Chali,
Vikas Gruz Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Anand Apartments Owner's Assn.,
Ghanshyambhai Ambalal Patel,
'Parag',
Panchwati, Ashokwadi,
E.B.—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at A'bad T.P.S. 6 F.P. No. 325 SP No. 4 S. No. 132/3+4 Adm. 840 sq. yd. = 700.65 sq. yd. R. No. 10662 dated 24-9-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4230 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDEIWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at A'bad, T.P.S. 3 F.P. No. 102, Land 425 sq. yd.+ Bldg. 325 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 21-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantaben Thakorbhai,
20, Gopinath Socy.,
Vastrapur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Harilal Mohanlal,
Bharatkumar Harilal,
91/2, Girdhar Nagar,
Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 15 F.P. No. 112 Land Adm. 425 sq. yd.+Bldg. 325 sq. yd. R. No. 9894 dated 21-9-1985.

P. D. KHANDEIWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-4-1986
Seal:

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4231 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at T.P.S. 20 S. No. 29A 10-20—2 Land 572 sq. yd. + Bldg. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Virmatiben C. Shah,
Shrikant Chandulal Shaht and Ors.,
Karta of HUF
15, Manekbag Socy., Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) M/s Premier Automobiles Ltd.,
92/93, Maker Tower 'F',
Curre Parade, Coloba,
Bombay-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. P. at A'bad T.P.S. 20 F.P. No. 18 Land adm. 478 sq. mtr. + Bldg. R. No. 10072 dated 11-9-1985

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM NO. 1.T.N.S.—

(1) Udyam Chimanlal,
Behind Gujarat College,
Ellisbridge, A'bad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sejal Construction Coy.,
Partner, Satishchandra B. Shah & Ors.,
Opp: Nutan Socy. Nr. Geeta Bag,
Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4232 Acq. 23/1/86-87.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592, Land Adm. 791 sq. mtr. + Bldg. 125 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 12-9-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paiki SP No. 2 Land Adm. 791 sq. mtr. + Bldg. 125 sq. yd. R. No. 10113 dated 12-9-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4233 Acq. 23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paiki Land 773 sq. yd. + Bldg. 188 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed here to) been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad, on 10-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—106GI/86

(1) Udyam Chimanlal,
Behind Gujarat College,
Ellisbridge, A'bad

(Transferor)

(2) Aditi Beneficiary Trust,
Trustee : Satishchandra Budhalal Shah,
Opp : Nutan Socy. Nr. Geeta Bag,
Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H.P. at A'bad T.P.S. 3 F.P. No. 592 paiki Land 773 sq. mtr.+Bldg. 188 sq. mtr. SP No. 3 R. No. 9939 dated 10-9-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4234/Acq.23/I/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Alankar Theatre, Jhaveri Chambers, Opp : Rly. Stn. Kalupur, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority, A'bad on 20-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Alankar Enterprises,
'Nishat',
Shahibag,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Prerna Shops & Apartments
Owners Association,
Alankar Theatre
Jhaveri Chambers,
Opp : Rly. Station,
Kalupur,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Alankar Theatre, Jhaveri Chambers Opp : Rly. Station,
A'bad, 37EE filed on 20-8-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 30-4-1986
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th April 1986

Ref No. P.R. No. 4611/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing C.S.T. No. 93, S. No. 4609 at Lunsikui, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 17-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dinsha Dabee Charity Trust,
Trustee Shri Erach Jamshedji Patel,
Laskariwad,
Mota Falia, Navsari.

(Transferor)

- (2) Mazda Estates & Finance Pvt. Ltd.,
Sir J. J. Shopping Centre,
Panch Hatdi,
Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The sale deed was registered by S.R. Navsari on 17-9-1985 for A.C. Rs. 7,19,651/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 30-4-1986

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4612/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plots No. 1 & 92 of Urmi Socy. Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 37EE on 9-8-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Mr. Rajen Arvindkumar Kilachand
Bakhtawar Building,
Colaba,
Bombay-5.

(Transferor)

(2) Mr. Pramod Pannalal Gupta & Ors.
Satyam, Rungta Lane,
Napeansea Road,
Bombay-400 006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is filed on 9-8-1985 for A.C. Rs. 10,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 15-4-1986
Seal :

FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

(1) Hajiyani Havabai Daudbhai
35, Arunodaya Socy.,
Alkapuri,
Baroda.

(Transferor)

(2) Liberty Construction &
Leasing Pvt .Ltd.,
Arunodaya Socy.,
Alkapuri,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 29-11-1985 for
A.C. Rs. 5,00,000/-.P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
AhmedabadNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 15-4-1986
Seal :

FORM INS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4614/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land bearing R.S. No. 621 of Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 2-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chhitabhai Vardhabhai Patel & Ors.
Timba Khadaki,
Gorva,
Baroda.

(Transferor)

(2) Bhagyalaxmi Co-op. Hsg. Socy.
Gorva,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 2-9-1985 for A.C. Rs. 7,12,620/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 15-4-1986
Scal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4615/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shed No. 275/2 G.I.D.C. Estate, Umergaon, Gujarat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
37EE on 5-8-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Sanjeev Steel Drums
Shed No. 275/2 G.I.D.C. Estate,
Umergaon
Gujarat.

(Transferor)

(2) Shri Bhailal M. Mistry & Ors,
Shed No. 275/2,
G.I.D.C. Estate,
Umergaon
Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

The Form No. 37EE is filed on 5-8-1985 in this office in
respect of the deed of assignment for A.C. Rs. 6,50,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 15-4-1986
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 15th April 1986

Ref. No. P.R. No. 4616/Acq.23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8th & 9th Floor FP No. 60 S. No. 26 T. P. 2 of Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on September, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) R. B. Construction
Partner Kiritbhai Khushaldas Shah & Ors.
35/209, Vijayanagar,
Narayanpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hindustan Motors Ltd.,
9/1 R. No. Mukherjee Road,
Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on September, 1985 for A.C. Rs. 8,21,200/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 15-4-1986

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4617/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 3rd 6th & 7th Floor S. No. 76 T.P. 2 F.P. No. 60 of Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on 10-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

7—106GI/86

- (1) R. B. Construction, Partner,
Kiritbhai Khushaldas Shah & Ors.,
35/209, Vijay Nagar,
Naranpura, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Hindustan Motors Ltd.,
9/1, R. No. Mukherjee Road,
Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 10-9-85 for A.C. Rs. 14,21,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 15-4-86

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4618/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 76 T.P. 2 F.P. No. 60 5th, 6th & 7th Floor, Gorva, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of Registering Officer at Baroda on 9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. B. Construction, Partner,
Kiritbhai Khushaldas Shah & Ors.,
35/209, Vijaynagar, Naranpura,
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hindustan Motors Ltd.,
9/1, R. No. Mukherjee Road,
Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 10-9-85 for A.C. Rs. 1,27,200/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 15-4-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, ILANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4619/Acq.-23/1/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & Industrial Shed, bearing S. No. 156/1 and 156/2 of Sankerdasim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on 6-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhagwanbhai Devjibhai Rathod & Ors.,
Punam Aptt., Worli,
Bombay.

(Transferor)

(2) Patodia Enterprises P. Ltd.,
N.H. 8,
At & P.O. Sankerda, Tal. Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Baroda on 6-9-85 for A.C. Rs. 6,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-4-86

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4620/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bldg. & Land at Petlad S. No. 875, 886 & 887
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at
Petlad on 27-9-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) The Petlad Tark Red Dye Works, Petlad.
(Transferor)
(2) The Petlad Commercial Co-op. Bank, Petlad,
Dist. Kaira.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 1640 E
27-9-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Author,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jaichandbhai Trilokchand Shethi,
Majura Gate, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dilip S. Mehta,
Virat Aptt.,
Athwa Gate, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

Ref. No. P. R. No. 4621/Acq.-23/11/86-87.—Whereas, I,
P. D. KHANDELWAL,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Nr. Majura Gate Wd. No. 1 Mondh No. 1401 to 1403 Pa'ki
T.P. No. 2 F.P. No. 3 Harinagar, Bungalow No. 1, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Surat on 2-9-85for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property within forty-five days from the date of
-
- publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 2581 Dt.
2-9-85.P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
AhmedabadDate : 15-4-86
Seal :

FORM INS

- (1) Mahavir Organiser,
Bhailubhai Ranchhodbhai Patel,
Vadodara. (Transferor)
- (2) M/s. Mahesh Developers Copy.
R.F.,
Gorwa, Baroda. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ahmedabad-380009, the 30th April 1986

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. P. R. No. 4622/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Village Andarada Tal. Ankleshwar Dist. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ankleshwar on 5-9-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S.R. Ankleshwar vide No. 2084 Dt. 5-9-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-4-86
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th April 1986

Ref. No. P. K. No. 4623/Acq.-23/II/86-87.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bungalow at Athwa Lines, Behind Lal Bungalow Ward Athwa Nondh No. 167-B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat on 6-9-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Pramyesh J. Desai,
Behind Lal Bungalow,
Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

- (2) Bharat Thakordas Sheth,
Prabha Darsan Aptt.
Surat, Athwa Lines.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 4683 Dt. 6-9-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 30-4-86
Seal :

